Tc.No. : GUJHIN00722

पेज: 4, मुल्य 1 रु.

दैनिक

क्रांति समय

संस्थापक / संपादक : सुरेश मौर्या

E-mail: krantisamay@gmail.com, www.krantisamay.com

वर्ष: 2 अंक: 203 , 29 दिसम्बर, शुक्रवार 2017, सूरत, हिन्दी दैनिक मो. 9879141480 4 ओ ब्लॉक आगम नवकार कॉम्पलेक्ष, सचीन रेल्वे स्टेशन के पास, सूरत-गुजरात

सार समाचार

दिल्ली सरकार को डिजिट लाइजेशन पर आगे बढ़ने की जरूरत : गुप्ता

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार की ''डोर स्टेप डीलिवरी' पग्राली को लेकर विधानसभा में नेता विपक्ष विजेंद्र गुप्ता ने मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल पर हमला बोला। उन्होंने इस पग्राली को बीते जमाने की बात कहकर मुख्यमंत्री को नसीहत दी कि डिजिटलाइजेशन के जमाने में इसका कोई मतलब नहीं है। सरकार की कोशिश होनी चाहिए कि जनहित में मुहैया कराने वाली सेवाओं में मानवीय हस्तक्षेप कम से कम हो और लोग इन सेवाओं का ऑन लाइन लाभ उठायें।

एनजीटी लाया वायु प्रदूषण से लड़ने की कार्ययोजना

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में महीने भर वायु गुणवत्ता के स्तर के गंभीर रहने के कारण राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने वायु प्रदूषण के विभिन्न स्तरों से लड़ने के लिए एक चरणबद्ध प्रतिक्रि या कार्ययोजना लागू करने के निर्देश दिए हैं। शीर्ष पर्यावरण संस्था ने कहा कि केंद्रीय प्रदूषण नियंतग्रबोर्ड (सीपीसीबी) और उच्चतम न्यायालय द्वारा नियुक्त पर्यावरण प्रदूषण नियंतग्रअधिकरण (ईपीसीए) की कार्य योजनाओं में कोई एकरूपता और मतैक्यता नहीं है। हाल में जारी अपने आदेश में अधिकरण ने कहा कि वायु गुणवत्ता के वर्गीकरण में स्पष्टता और निश्चितता की जरूरत है। पूर्व अध्यक्ष स्वतंत्र कुमार की अध्यक्षता वाली एक पीठ ने कहा कि आंकड़े साफ दर्शाते हैं कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में हवा ज्यादातर वक्त प्रदूषित रही और महीने के ज्यादातर समय वायु गुणवत्ता गंभीर या इससे भी ऊपर रही। इस तरह की हवा हम दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के लोगों को उपलब्ध करा रहे हैं। यह मौलिक अधिकारों का स्पष्ट उल्लंघन है। अधिकरण ने कहा कि ऐसा नजरिया अपनाना होगा जो उपचार की बजाए रोकथाम और बचाव उन्मुखी हो। अधिकरण ने कहा कि दिल्ली और आस-पास की हवा के प्रदूषण को नियंत्रित करने और उससे बचने के लिए नियम, कानून और निर्देशों की कमी नहीं है लेकिन जरूरी है कि इन कानूनों और निर्देशों को लागू करवाया जाए। एनजीटी ने वायु प्रदूषण को चार श्रेणियों में रखा है- श्रेणी एक (औसत), श्रेणी दो (गंभीर), श्रेणी तीन (नाजुक) और श्रेणी चार (पर्यावरण संबंधी आपातकाल)। इन सभी श्रेणियों के लिए अलग-अलग तरह की कार्ययोजना तैयार की गई है।

दरभंगा को जोड़ा जाएगा हवाई मार्ग से : जेटली

नई दिल्ली। वित्तमंत्री अरुण जेटली ने कहा कि दरभंगा को हवाई मार्ग से जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर सम्मान देकर देश का नाम बढ़ाया है। जेटली अटल मिथिला सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। बुधवार को आयोजित एक कार्यक्रम में जदयू नेता संजय झा, प्रदीप झा, भाजपा सांसद प्रभात झा, पार्श्व गायक पद्मभूषण उदित नारायण झा, पदमश्री हंस राज हंस, विहार सरकार के मंत्री विनोद राय, सांसद बिरेंद्र चौधरी उपस्थित थे। इस अवसर पर वित्त मंत्री द्वारा कुछ लोगों को सम्मानित भी किया गया।

शातिर गिरोह का पर्दाफाश, पांच बंदी

नई दिल्ली। जाफरपुर कलां थाना पुलिस ने एक शातिर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए पांच आरोपियों को दबोचा है। इनकी पहचान सुरेश दास, अमजद अली,साकिर उस्मानी, ओमकार तथा मोहित के रूप में हुई। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से छह बंडल केबल, एक बाइक तथा फर्जी नंबर प्लेट आदि बरामद किए गए। पुलिस उपायुक्त शिवेश सिंह ने बताया कि दिसम्बर के चौबीस तारीख को जाफरपुर कलां इलाके में कई पोल के बिजली के तार चोरी कर लिए गए थे। इस बाबत मुकदमा भी दर्ज किया गया था। एसीपी राम कुमार राठी की देखरेख में गठित पुलिस टीम को जांच में पता चला कि यह गिरोह दिल्ली देहात के खेतों से ट्रांसफार्मर भी चोरी करता था। इस जानकारी पर आरोपियों को दबोचने के लिए पुलिस टीमें बनाई गई और गैंग के दो सदस्यों को रावता मोड़ के पास से धर दबोचा। पुलिस ने दावा किया कि इस गैंग के पर्दाफाश किए जाने से चोरी व सेंधमारी के करीब 16 मामले का खुलासा हुआ जो कि द्वारका रोहिणी तथा पश्चिमी जिले से संबंधित है। यह भी जानकारी हुई कि इस गैंग में पांच में दो दिल्ली, बाकी हरियाणा यूपी तथा एक बिहार निवासी है। आरोपियों ने बताया कि रात के समय यह गैंग खेत में लगे ट्रांसफार्मर तथा केबल तार चोरी कर चंपत हो जाता था।

पानी की बढ़ी दरों के खिलाफ भाजपा का प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। पानी की दरों में 20 प्रतिशत वृद्धि किए जाने के विरोध में भाजपा पार्षदों ने मयूर विहार फेज-2 जल बोर्ड कार्यालय के समक्ष मटका फ ोड़ और केजरीवाल का पुतला फूंका।

इस मौके पर उपमहापौर बिपिन बिहारी, पार्षद राजीव चौधरी, भावना मलिक, शशि चांदना, अतुल गुप्ता, जिलाध्यक्ष डॉ. धीरज ललित जोशी, अनिल गुप्ता सहित भारी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

प्रदर्शन के दौरान उपमहापौर बिपिन बिहारी सिंह ने कहा कि राजधानी की जनता के लिए केजरीवाल सरकार ने बिजली के बिल हाफ पानी माफ की घोषणा की थी, लेकिन वह अपने वादे से मुकरते हुए 20 प्रतिशत पानी की दरों में वृद्धि कर दी गई है।

इस बढ़ोतरी से मध्यम वर्ग के लोगों पर इसका सबसे ज्यादा असर पड़ेगा। पहले दो माह का बिल आता था, लेकिन

हाफ का बहाना बनाकर अब हर माह बिल भेजे जा रहे हैं। जिलाध्यक्ष डॉ. ललित जोशी ने कहा केजरीवाल सरकार को पानी की बढ़ी दरें वापस लेनी होंगी। अगर ऐसा नहीं किया तो हमारा विरोध प्रदर्शन मंडल स्तर पर पानी के बढ़ी दरों का विरोध किया जाएगा। राजीव चौधरी ने कहा कि हमने कल जल बोर्ड की बैठक में ही केजरीवाल के इस प्रस्ताव का विरोध किया था, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने पानी की दरों में 20 फीसद की वृद्धि कर दी।

युवती से गैंगरेप में दो आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। सरोजनीनगर थाना क्षेत्र में पुलिस ने युवती से गैंगरेप मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की शिनाख्त जग्गी व सतीश के रूप में हुई। तीसरा आरोपी फरार है। बताया जाता है कि युवती खुद को मॉडल बता रही है।पुलिस के अनुसार 20 वर्षीय युवती की जान पहचान एक आरोपी से मुंबई में हुई थी। पीड़िता जामियानगर क्षेत्र में रहती है। 24 दिसम्बर को आरोपियों ने उसे मिलने के लिए वसंत कुंज बुलाया था। पार्टी करने के बाद आरोपी उसे अपने साथ आरकेपुरम सेक्टर-13 के एक फ्लैट में ले आए, जहां रात को सभी ने शराब पी। इसके बाद तीनों ने उसके साथ दुष्कर्म किया। सुबह होश में आने के बाद पीड़िता ने मामले की जानकारी पुलिस को दी। थाना सरोजनीनगर पुलिस ने पीड़िता के बयान पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया, जबकि तीसरे आरोपी हरेन्द्र की तलाश कर रही है। बच्ची से दुष्कर्म : हौजखास क्षेत्र में 12 वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की शिनाख्त बंटी (22) के रूप में हुई। पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश कर तिहाड़ जेल भेज दिया।

सिर्फ 10 फीसद मरीजों को ही मिल पाती है ''इचिंगलेस हेल्थ सर्विसेज'

स्तरीय चिकित्सा सेवा देने को योजना बनाई सरकार ने

नई दिल्ली। (एजेंसी) स्वास्य विभाग राजधानीवासियों ''इचिंगलेस हेल्थ सर्विसेज' देने के लिए हेल्थ मिशन-2018 की योजना बनाई है ताकि दिल्ली वालों को समय से क्वालिटी हेल्थ केयर की सुविधा मिले। एक रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली में सिर्फ 10 फीसद ही आबादी ऐसी है, जिसे समय पर क्वालिटी हेल्थ केयर मिल पाता है। 90 फीसद को कहीं न कहीं परेशानी झेलनी पड़ती है। खासतौर से सरकारी अस्पताल इस मसले पर खरे नहीं उतर पाते हैं। सबको बेहतर इलाज मिले, सरकारी अस्पतालों में अच्छी सुविधा मिले, इसके लिए भी दिल्ली सरकार ने मोहल्ला क्लिीनिक की संख्या बढ़ाने जैसी योजना बनाई है। इसके अलावा मसलन स्वास्य सेवाओं का पूरी तरह से डिजिलाइटेशन किया जाना है, जिससे समय की बचत हो। नए साल यानी 2018 में दिल्ली स्वास्य विभाग के सामने यह सबसे बड़ी चुनौती होगी कि किस तरह से कम समय के अंदर, सबको बेहतर इलाज मुहैया कराया जा सके। योजना : दिल्ली सरकार की योजना है कि आने वाले समय में ज्यादा अस्पतालों या हेल्थ सेंटरों को इस तरह से विकसित किया जाए कि वहां निजी अस्पतालों की तरह सस्ते में इलाज मिल सके। इसके लिए पुराने मेडिकल इक्यूपमेंट बदले जाने हैं। अस्पतालों को संक्रमण मुक्त किया जाना है, डॉक्टर, स्टाफ की कमी पूरी की जानी है। ट्रेंड पैरामेडिकल स्टाफ बनाना है जो काम पड़ने पर प्राथमिक इलाज कर सकें। आम अदमी क्लीनिक सहेंगे 90 फीसद दबाव : दिल्ली सरकार का मौजूदा समय में सबसे ज्यादा फोकस मोहल्ला क्लीनिकों की संख्या और उनमें सुविधाएं बढ़ाना रहेगा। पिछले दिनों आम आदमी की सरकार ने इसके लिए बजट घोषित भी किया। असल में एक साल के अंदर 500 क्लीनिक बनने थे, लेकिन अब तक बने सिर्फ 40 फीसद हैं। बचे दो महीनों में यह टारगेट पूरा हो पाना संभव नहीं दिख रहा है। इन क्लीनिकों के माध्यम से 90 फीसद स्वास्य सेवाओं पर आने वाले दबाव को कम करना चाहती है। विकास कार्य जोरों पर, जल्द मिलेंगे रिजल्ट : स्वास्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने दावा किया कि हमारी पहली प्राथमिकता है कि सबको बेहतर इलाज मिले, इसके लिए पिछले साल हमने अपना हेल्थ बजट को बढ़ाया है। हमारे पास अच्छी योजनाएं हैं, जिनमें कुछ विलंब जरूर हो रहा है, लेकिन काम तेजी से हो रहे हैं, जल्द ही उसके पोजिटिव इफेक्ट दिखने लगेंगे। सबको हेल्थ कार्ड : स्वास्य विभाग तैयारी कर रहा है कि सभी दिल्लीवासियों को हेल्थ सेंटरों से ऑनलाइन जोड़ा जाए, जिससे उन्हें हर सूचना आनलाइन मिले। इसके लिए हेल्थ कार्ड बनाने का काम शुरू किया जा सकता है। हेल्थ कार्ड पर सबकी डीटेल होगी, जिसे एक खास सॉफ्टवेयर में लोड किया जाएगा। इससे हर अस्पताल में उस मरीज का डेटा उपलब्ध हो सकेगा। यहां तक कि मोहल्ला क्लीनिक, पॉलिक्लीनिक व दूसरे हेल्थ सेंटरों में भी।

अदालत ने जेएनयू के सहायक प्रोफेसर का वेतन, हाजिरी रिकॉर्ड मांगा

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने जेएनयू के एक सहायक प्रोफेसर के वेतन और हाजिरी का ब्योरा मांगा है। उनकी नियुक्ति को साहित्यिक चोरी करने के आरोप में चुनौती दी गई है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश गीता मित्तल और न्यायमूर्ति सी हरिशंकर की पीठ ने जवाहर लाल नेहरू विविद्यालय (जेएनयू) को निर्देश दिया कि वह 2012 से 2014 की अवधि के लिए अगर प्रोफेसर का कोई रिकॉर्ड है तो उसे पेश करे। उस समय वह तुर्की से तुर्की भाषा और साहित्य में कथित तौर पर स्नातकोत्तर की पढ़ाई कर रहे थे। पीठ ने कहा, जेएनयू अतिरिक्त हलफनामा दायर करे और हमारे सामने गौस मशकूर खान से संबंधित साल 2012-14 की अवधि के लिये वेतन के भुगतान और हाजिरी का अगर कोई रिकॉर्ड है तो उसे पेश करे। अदालत ने अब मामले को अगले साल 28 फरवरी को सुनवाई के लिये सूचीबद्ध कर लिया है। अदालत ने यह निर्देश एक विधि स्नातक और आरटीआई कार्यकर्ता मोबाशशिर सरवर और एम अरशद परवेज की याचिका पर दिया।

केजरीवाल जनता से माफी मांगे : माकन

तीन वर्षो में पानी की दरें 30 प्रतिशत बढ़ीं, सब्सिडी केवल 8 प्रतिशत लोगों को

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय माकन ने कहा कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार कल पानी की दरों में 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी के बाद झूठा प्रचार करके लोगों को गुमराह कर रहे है, जिसके लिए केजरीवाल को जनता से माफी मांगनी चाहिए। आप ने तीन वर्षो के शासन काल में दिल्ली जल बोर्ड ने दूसरी बार पानी की दरें में बढ़ोतरी की है। फिर भी केजरीवाल सरकार दिल्लीवासियों को मुफ्त पानी देने का झूठा दावा कर रही है, और जितने घरों को यह पानी की सब्सिडी दे रहे हैं वह दिल्ली की जनसंख्या का केवल 8 प्रतिशत है।प्रदेश कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष अजय माकन ने कहा कि दिल्ली सरकार के 2016-17 के बजट में सरकार ने यह माना है कि दिल्ली जल बोर्ड 4,28,000 घरों को पानी की दरों में सब्सिडी देकर प्रतिमाह 20,000 लीटर पानी उपलब्ध करा रहा है।

पूरी दिल्ली में 40,000 पानी के मीटर लगे हैं जबकि 2011 की जनगणना के अनुसार पूरी दिल्ली में 46,05,555 घर है। उन्होंने कहा कि एक अनुमान के अनुसार प्रत्येक वर्ष दिल्ली की जनसंख्या में 2.42 प्रतिशत की वृद्धि हो रही है जिसके अनुसार 2017 में दिल्ली में लगभग 50 लाख घर होने चाहिए। माकन ने कहा कि दिल्ली में 50 लाख घर होने के अनुपात में दिल्ली सरकार केवल 8 प्रतिशत को ही पानी की दरों में सब्सिडी दे रही है जबकि 92 प्रतिशत अपने घर वाले पानी की बढ़ी हुई दरों से प्रभावित होंगे, जबकि आप पार्टी की दिल्ली सरकार ने 3 साल के शासन में एक तिहाई पानी की दरों में और बढ़ोतरी की है। संवाददाता सम्मेलन में श्रीमती पूजा बाहरी, चतर सिंह व मुख्य मीडिया कॉआर्डिनेटर मेहदी माजिद मौजूद थे। माकन ने कहा कि वे केजरीवाल से पूछना चाहते हैं कि वे सिर्फ 8 प्रतिशत लोगों को पानी की सब्सिडी देकर दिल्लीवासियो को मुफ्त पानी की देने की झूठी बात क्यों कर रहे हैं। केजरीवाल सरकार के द्वारा पानी को लेकर लोगों को गुमराह करने व झूठा प्रचार करने पर श्री अजय माकन ने केजरीवाल सरकार से बिना शर्त माफी मांगने की मांग की।

पानी की बढ़ी दरों के खिलाफ भाजपा का प्रदर्शन

नई दिल्ली। पानी की दरों में 20 प्रतिशत वृद्धि किए जाने के विरोध में भाजपा पार्षदों ने मयूर विहार फेज-2 जल बोर्ड कार्यालय के समक्ष मटका फोड़ और केजरीवाल का पुतला फूंका। इस मौके पर उपमहापौर बिपिन बिहारी, पार्षद राजीव चौधरी, भावना मलिक, शशि चांदना, अतुल गुप्ता, जिलाध्यक्ष डॉ. धीरज ललित जोशी, अनिल गुप्ता सहित भारी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।प्रदर्शन के दौरान उपमहापौर बिपिन बिहारी सिंह ने कहा कि राजधानी की जनता के लिए केजरीवाल सरकार ने बिजली के बिल हाफ पानी माफ की घोषणा की थी, लेकिन वह अपने वादे से मुकरते हुए 20 प्रतिशत पानी की दरों में वृद्धि कर दी गई है। इस बढ़ोतरी से मध्यम वर्ग के लोगों पर इसका सबसे ज्यादा असर पड़ेगा। पहले दो माह का बिल आता था, लेकिन हाफ का बहाना बनाकर अब हर माह बिल भेजे जा रहे हैं। जिलाध्यक्ष डॉ. ललित जोशी ने कहा केजरीवाल सरकार को पानी की बढ़ी दरें वापस लेनी होंगी। अगर ऐसा नहीं किया तो हमारा विरोध प्रदर्शन मंडल स्तर पर पानी के बढ़ी दरों का विरोध किया जाएगा। राजीव चौधरी ने कहा कि हमने कल जल बोर्ड की बैठक में ही केजरीवाल के इस प्रस्ताव का विरोध किया था, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने पानी की दरों में 20 फीसद की वृद्धि कर दी गई है। इस बढ़ोतरी से मध्यम वर्ग के लोगों पर इसका सबसे ज्यादा असर पड़ेगा। पहले दो माह का बिल आता था, लेकिन हाफ का बहाना बनाकर अब हर माह बिल भेजे जा रहे हैं। जिलाध्यक्ष डॉ. ललित जोशी ने कहा केजरीवाल सरकार को पानी की बढ़ी दरें वापस लेनी होंगी। अगर ऐसा नहीं किया तो हमारा विरोध प्रदर्शन मंडल स्तर पर पानी के बढ़ी दरों का विरोध किया जाएगा। राजीव चौधरी ने कहा कि हमने कल जल बोर्ड की बैठक में ही केजरीवाल के इस प्रस्ताव का विरोध किया था, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने पानी की दरों में 20 फीसद की वृद्धि कर दी।

आईजीआई एयरपोर्ट पर टला बड़ा हादसा

नई दिल्ली। इंडिगो विमान सेवा कंपनी के उड़ान भरने के लिए तैयार विमान में ईंधन के रिसाव का पता चलने से एक संभावित बड़ा हादसा टल गया। विमान में 173 यात्री सवार थे। दिल्ली के इंदिरा गाँधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर मंगलवार शाम करीब साढ़े चार बजे त्रिवेंद्रम जा रही रही उड़ान 6 ई-945 के डैने की ईंधन टंकी से ईंधन के रिसाव का पता उस समय चला जब विमान उड़ान भरने ही वाला था। आनन-फानन में विमान को वापस लाया गया और सभी यात्रियों को विमान से उतारा गया। इंडिगो के एक प्रवक्ता ने इस संबंध में कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। हवाई अड्डा सूत्रों ने इस बात की पुष्टि की है कि विमान तकनीकी कारणों से उड़ान भरने से ठीक पहले वापस आया था और यात्रियों को उतारा गया था।

एम्स के डॉक्टर को तलब किए जाने का आदेश बरकरार

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने एक रोगी का इलाज करने से कथित तौर पर इनकार करने और उसके परिवार से बदसलूकी करने को लेकर एम्स के एक आरोपी डॉक्टर को तलब करने का मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट का आदेश बरकरार रखा है। अदालत ने कहा कि इस आदेश में हस्तक्षेप नहीं किया जा सकता। विशेष जज राजेश कुमार सिंह ने एम्स के जूनियर रेजीडेंट डॉक्टर की पुनरीक्षण याचिका खारिज कर दी। इस डाक्टर ने खुद को और अन्य को बतौर आरोपी तलब करने के मजिस्ट्रेट अदालत के 2016 के आदेश के खिलाफ यह याचिका दायर की थी। इस आदेश खिलाफ अपनी याचिका में डॉक्टर ने दलील दी कि पुलिस ने आरोपपत्र में उनका नाम शामिल नहीं किया था और उनके खिलाफ कोई साक्ष्य नहीं है। हालांकि, विशेष जज ने उनकी दलील खारिज कर दी और कहा कि जांच के इस स्तर पर मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट के पास यह शक्ति है।

वह आरोपपत्र में नामजद नहीं किए गए आरोपी को तलब करे। उन्होंने कहा कि तलब किए जाने के आदेश में हस्तक्षेप नहीं किया जा सकता। शिकायत के मुताबिक 13 जुलाई 2014 को सुबह करीब नौ बजे सतपाल सिंह अपने दो बेटों के साथ अपने पिता के इलाज के लिए एम्स आपात विभाग गए थे। उन्होंने आरोप लगाया।

ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर ने उनके पिता का इलाज करने से मना कर दिया जिसके बाद तीखी बहस हुई।

उन्होंने शिकायत में बताया कि डॉक्टर ने दो अन्य चिकित्सकों और सुरक्षा गार्ड को बुलाया तथा वहां झड़प हुई। दो हफ्ते बाद एक और शिकायत में सिंह ने तीनों डॉक्टरों के नाम का जिक्र किया जिन्होंने उन्हें कथित तौर पर थप्पड़ और घूंसा मारा था।

आवास घोटाला : पूर्व केंद्रीय मंत्री थुंगन समेत 15 बरी

नई दिल्ली। (एजेंसी) भष्टाचार के एक मामले में 21 साल से मुकदमे का सामना कर रहे पूर्व केंद्रीय मंत्री पी के थुंगन को यहां एक विशेष अदालत ने बरी कर दिया है।अदालत ने कहा कि सीबीआई यह साबित करने में नाकाम रही कि थुंगन ने अपने आधिकारिक पद का दुरूपयोग किया। अदालत ने थुंगन (71) के अलावा 14 अन्य को भी बरी किया, जिसमें कई सरकारी अधिकारी शामिल हैं। वहीं, मुकदमा चलने के दौरान तीन आरोपियों की मौत हो गई। विशेष सीबीआई जज कामिनी ला ने कहा कि अभियोजन थुंगन पर लगे आरोप को साबित नहीं कर सका। गौरतलब है कि उन पर आरोप था कि उन्होंने शहरी विकास राज्य मंत्री रहने के दौरान अपने आधिकारिक पद का दुरूपयोग किया। अदालत ने 440 पन्नों के फैसले में कहा कि सीबीआई यह साबित करने में भी नाकाम रही कि उन्होंने आवास के बारे में जाली आवेदन फार्म का इस्तेमाल किया। मुकदमे के दौरान अरूणाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री थुंगन ने दावा किया कि वह बेकसूर हैं और उन्हें बदले की राजनीति के चलते फंसाया गया है। उन्होंने यह भी दावा किया कि उन्होंने अपने कर्तव्य निभाते हुए किसी नियम का उल्लंघन नहीं किया। उन्होंने कहा कि वह एक वरिष्ठ नागरिक हैं और उन्हें इस मामले के चलते पिछले 22 साल से अधिक समय से अपने मूल निवास अरूणाचल प्रदेश से दूर दिल्ली में रहने के लिए मजबूर किया गया। अदालत ने कहा कि आरोपी थुंगन, वीरेंद्र अरोड़ा, टीटी कुमारस्वामी (मंत्री के निजी स्टाफ), नीमा शेरिंग (अरूणाचल प्रदेश में पूर्व विधायक), उमेश जोशी, विजय दक्ष, वेद प्रकाश कौशिक, सुनिल खोसला, रोशन लाल राणा, वीर भान, चंदन सिंह राणा, नरेन्द्र ध्यानी और राज कुमार जोशी को बरी किया जाता है। रिकार्ड के मुताबिक मामला 1996 में दर्ज किया गया था और सीबीआई ने 2003 में आरोप पत्र दाखिल किया था।

बहुत सारे लोग आपके साथ शानदार गाड़ियों में घूमना चाहते हैं, पर आप चाहते हैं की कोई ऐसा हो जो गाड़ी खराब हो जाने पर आपके साथ बस में जाने को तैयार रहे।
ओपरा विनफ्रे

भारतीय सैनिकों को निशाना

भारतीय विदेश मंत्रालय द्वारा कुलभूषण जाधव की मां एवं पत्नी के साथ पाकिस्तान में किए गए व्यवहार पर व्यक्त की गई कठोर प्रतिक्रिया बिल्कुल उचित है। आखिर दोनों देशों के बीच मुलाकात के पहले कुछ बातें तय हुई थीं। उसका पालन करना पाकिस्तान का दायित्व था। अगर उसने कुलभूषण के परिवार को मिलने की अनुमति दी तो उसे मुलाकात को मुलाकात के तरीके से होने देना चाहिए था। आखिर मंगलसूत्र, बिंदी, चूड़ियां और जूते उतरवाने से लेकर कपड़े बदलने के लिए मजबूर करने की क्या आवश्यकता थी? विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता की यह प्रतिक्रिया हर दृष्टि से वाजिब है कि पाकिस्तान सरकार ने परिवार की धार्मिक-सांस्कृतिक संवदेनशीलताओं का अपमान किया है। किसी सुहागन से उसका मंगलसूत्र और चूड़ियां उतरवा लेना धार्मिक-सांस्कृतिक असंवेदनशीलता ही तो है। यह धार्मिक भावनाओं का अपमान है। इसके पीछे पाकिस्तानी अधिकारियों की शरारती सांप्रदायिक भावना भी हो सकती है। भारत ने साफ कर दिया है कि उनका जूता नहीं लौटाने का मतलब कुछ और है। लेकिन उसने कोई भी शरारतपूर्व हरकत की तो यह ठीक नहीं होगा। अब पाकिस्तान कह रहा है कि उनकी जूतियां इसलिए रख ली गई क्योंकि उसमें जासूसी के उपकरण होने का संदेह था, जिसकी जांच की जाएगी। यदि कुलभूषण जाधव की मां और पत्नी से मुलाकात होती है तो उसमें भारत ऐसा कौन-सा गोपनीय बात हासिल कर लेता जिसके लिए जासूसी उपकरण लगाने की आवश्यकता थी। जाहिर है, यह पाकिस्तान की बदनीयत है जिसे वह अपने व्यवहार से प्रकट कर रहा था। जाधव की मां की मातृभाषा मराठी थी, लेकिन जब भी वह मराठी बोलतीं उनको रोक दिया जाता। वैसे भी शीशे की दीवार के बीच माइक और स्पीकर के साथ बातचीत को आप मुलाकात नहीं कह सकते। पाकिस्तान के रवैये से लगता है कि वह जूतियों को लेकर कोई न कोई आरोप भारत पर लगाने की साजिश रच रहा है। ऐसे में भारत के लिए जरूरी था कि वह पहले ही इसके खिलाफ चेतावनी दे। देखते हैं, पाकिस्तान आगे क्या करता है। लेकिन उसकी नीयत साफ हो चुकी है। जो देश सामान्य सी मुलाकात के लिए तय शतरे पर कायम नहीं रहता, उससे किसी अच्छे व्यवहार की उम्मीद ही बेमानी है।

गुड्स सर्विस टैक्स

आर्थिक मोर्चे पर 2017 आने वाले कई दशकों तक इस बात के लिए याद किया जायेगा कि इसी साल में गुड्स एंड सर्विस टैक्स यानी माल और सेवा कर की व्यवस्था जुलाई 2017 से लागू गयी थी। जीएसटी पर बड़े बवाल हुए, गुजरात चुनावों में इस पर भरपूर चोट की गयी। पर मोटे तौर पर तमाम कारोबारियों ने असहमतियों परेशानियों के बावजूद इससे तालमेल बिठा लिया। गुजरात जैसे कारोबारी राज्य में अपनी जीत को भाजपा जीएसटी पर लगी स्वीकृति की मुहर के तौर पर पेश कर रही है। 2017 बिटकायन के बवाल के लिए भी याद किया जायेगा। बिटकायन ने साल की शुरु आत यानी 2017 की शुरु आत करीब हजार डॉलर से की थी और फिर यह बीस हजार डॉलर तक गया फिर इसमें भारी गिरावट हुई करीब पच्चीस प्रतिशत तक की। कुल मिलाकर यह निवेश का यह बहुत ही जोखिमपूर्ण और अनिश्चित माध्यम है, पर रिजर्व बैंक और सरकार भारतीय निवेशकों को यह बात पूरे तौर पर समझा नहीं पायी। वित्तीय साक्षरता फैलाये जाने की जरूरत है, बिटकायन की बढ़ती लोकप्रियता से यह साफ होता है। शेयर बाजार में निवेशकों के लिए यह साल खासा मौज का रहा। मुंबई शेयर बाजार ने करीब तीस प्रतिशत का रिटर्न दिया। मुचुअल फंड में निवेश करने वालों की तादाद में अभूतपूर्व इजाफा हुआ। नोटबंदी की पहली वर्षगांठ के मौके पर भी साफ हुआ कि नोटबंदी से उपजी समस्याओं को अर्थव्यवस्था ने आत्मसात कर लिया है। अगस्त 2017 में पेश आर्थिक सर्वेक्षण के खंड दो ने बताया कि नोटबंदी के बाद करदाताओं की तादाद में इजाफा हुआ है। सर्वेक्षण की एक तालिका के अनुसार 2015-16 में नये करदाताओं की संख्या में 25.1 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई थी। 2016-17 में यह बढ़ोत्तरी 45.3 प्रतिशत रही। नोटबंदी के चलते ही करीब 10,587 करोड़ रुपये की अतिरिक्त आय की घोषणा हुई। 2015-16 में औसत कर योग्य आय 2 लाख पचास हजार रुपये थी। 2016-17 में यह बढ़कर दो लाख सत्तर हजार रुपये हो गयी। ये सारे परिणाम नोटबंदी के सकारात्मक परिणाम के तौर पर ही चिह्नित किये गये। खेती-किसानी की बदहाली सिर्फ आर्थिक मुद्दा नहीं, राजनीतिक मुद्दा है। यह बात गुजरात के विधानसभा चुनाव परिणाम बता गये। साल बीतते बीतते यह भी साफ हो गया कि आठ प्रतिशत की विकास दर की बात अभी सिर्फ सपना है।

सत्संग

अध्यात्म

विज्ञानी और अध्यात्म के आधारभूत सिद्धांतों में मौलिक अंतर है। इसलिए उनका समन्वय कदाचित कभी भी सम्भव न हो सकेगा। अंतर को देखकर प्रस्तुत निष्कर्ष पर पहुंचने वाले मनीषियों का कहना यह है कि विज्ञानी आग्रही नहीं है वह तयों को खुले मस्तिष्क से तलाश करता है। पूर्वाग्रहों से मुक्त रहता है और जब जो प्रामाणिक आधार मिलते हैं, उनके सहारे सिद्धांतों का निर्धारण करता है। इसके विपरीत, अध्यात्म में पूर्वाग्रहों की ही भरमार है। तर्क के लिए गुंजाइश नहीं है। शास्त्र अथवा आप्त पुरुष ही सब कुछ हैं। उन्हीं की खींची रेखाओं की परिधि में घूमने के लिए आर्थिक अथवा अध्यात्मवादी का सीमित रहना पड़ता है। तकरे के झरोखे में झांकने वालों की धार्मिकता को पतिव्रत को तोड़ने वाला घोषित कर दिया जाता है। ऐसी दशा में तयों का निर्धारण करने को जब तक दोनों की स्थिति एक न हो तब तक समन्वय कैसे सम्भव होगा? या तो विज्ञान अपने तयों को प्रामाणिकता देने वाली प्रवृत्ति छोड़े अथवा धर्म को परम्परा आग्रह अपनाए रहने से विरल किया जाए तभी वह स्थिति बनेगी, जिसके आधार पर दोनों को साथ चलने अथवा सहयोग करके सत्य की शोध में समन्वित मार्ग अपनाने की बात बन सके। कथन को सच मानने को मन तभी करता है जब दोनों की मूल प्रकृति को समझने में भ्रम बना रहे। यह अड़चन उथले चिंतन से सही मालूम पड़ती हैं। गहराई में उतरने पर धर्म और विज्ञान दोनों ही ऐसे तयों पर आधारित दिखते हैं, जिन पर विास करने या मिलजुल कर साथ-साथ न चल सकने की आशंका करने का कोई कारण नहीं हो। विकृतियां तो न्याय और कानून के क्षेत्र में भी रहती हैं। इससे उनकी उपयोगिता या आवश्यकता इनकार नहीं किया जा सकता। उत्पादन और व्यय में भी आए दिन बदमाशियां चलती हैं, इसी कारण कायरे को बंद तो नहीं कर दिया जाता। धार्मिक क्षेत्र में निहित स्वार्थो को घुस पड़ने और अवांछनीय प्रथा-परम्परा पर चला देने का अवसर मिल जाता है जबकि उसके अनुयायी तर्क और तयों को जानने की आवश्यकता नहीं समझते। यदि वे धर्माध्यक्षों के उद्देश्य और प्रतिपादनों के फलितार्थ पर विवेकपूर्ण विचार करना सीखें तो फिर क्षेत्र की उपयोगिता भी विज्ञान क्षेत्र की तरह ही अक्षुण्ण बनी रह सकती है। धर्म की मूल प्रवृत्ति अंधविासी या दुराग्रही नहीं है।

तलाक को "गैर-कानूनी' घोषित

समूची वैधानिक व्यवस्था में किसी अन्य कानून में समुदाय या व्यक्ति का इतना कुछदांव पर नहीं लगा होता। मोदी सरकार द्वारा तीन तलाक के मामलों में तीन साल की सजा का प्रस्ताव अति-अपराधीकरण का स्पष्ट मामला है। आपराधिक कानून अनिवार्य मामलों में ही इस्तेमाल किए जा सकते हैं, जब आरोपित को दंडित करने का विकल्प नहीं बचता। 22 अगस्त, 2017 को तलाक संबंधी फैसले में प्रधान न्यायाधीश जस्टिस खेहर और जस्टिस नजीर का अल्पसंख्यक विचार था कि तीन तलाक, तलाक का वैधरूप है। प्रधान न्यायाधीश ने यह भी उचित ही कहा कि तीन तलाक 1400 वर्षो से ज्यादा समय से तलाक के वैधरूप में कायम रहा है।

सतीश पेडणोकर

अपराधिक कानून राज्य और नागरिकों के मध्य सर्वाधिक प्रत्यक्ष व्याख्या है। आपराधिक दंड अनिवार्य तरीका है, जिससे राज्य व्यक्तिगत व्यवहार का नियमन कर सकता है। आपराधिक कानून सुरक्षा की आास्ति हैं, तो अनर्थ कर डालने के अंदेशे भी। समूची वैधानिक व्यवस्था में किसी अन्य कानून में समुदाय या व्यक्ति का इतना कुछदांव पर नहीं लगा होता। मोदी सरकार द्वारा तीन तलाक के मामलों में तीन साल की सजा का प्रस्ताव अति-अपराधीकरण का स्पष्ट मामला है। आपराधिक कानून अनिवार्य मामलों में ही इस्तेमाल किए जा सकते हैं, जब आरोपित को दंडित करने का विकल्प नहीं बचता। 22 अगस्त, 2017 को तलाक संबंधी फैसले में प्रधान न्यायाधीश जस्टिस खेहर और जस्टिस नजीर का अल्पसंख्यक विचार था कि तीन तलाक, तलाक का वैधरूप है। प्रधान न्यायाधीश ने यह भी उचित ही कहा कि तीन तलाक 1400 वर्षो से ज्यादा समय से तलाक के वैधरूप में कायम रहा है, और मुस्लिम देशों में इस चलन के खात्मे की बात से ही पता चल जाता है कि यह चलन व्यवहार में मौजूद था।

जस्टिस नरीमन ने भी ध्यान दिलाया कि प्रिवी काउंसिल ने 1931 में तीन तलाक को तलाक का वैध रूप करार दिया था।

कानून-सम्मत रहे किसी चलन को अपराध बनाया जाना ही अपने आप में एक बड़ा और कड़ा कदम है। संसद चाहे तो इस बाबत कानून बना सकती है, सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में नहीं कहा कि तीन तलाक दंडनीय अपराध बनाया जाए। यहां तक कि इस चलन के विरोध में उतरीं मुस्लिम महिलाएं भी इसे दंड अपराध बनाए जाने की हामी नहीं हैं। चूंकि शीर्ष अदालत ने तीन तलाक को ''गैर-कानूनी' घोषित कर दिया है, इसलिए बुनियादी तौर पर कोई कानून दरकार नहीं है क्योंकि तीन तलाक अब शादी के विघटन का सबब नहीं रहा।

अदालत ने तीन बार उच्चारे गए शब्दों फलितार्थ की बाबत स्पष्ट कुछनहीं कहा है, इसलिए संसद कह सकती है कि तीन बार उच्चारे गए शब्द खंडनीय तलाक के तौर पर गिने जाएंगे। उन अधिकांश मुस्लिम देशों में यही कानून है, जिन्हें शीर्ष अदालत में सरकार ने गिनाया था। सरकार का यह कहा जाना भी गलत है कि शीर्ष अदालत के फैसले के बाद से तीन तलाक के 68 मामले आ जाने के कारण उसे यह कानून बनाना होगा। बीते तीन महीनों में तीन तलाक के मामलों का कोई विश्वसनीय आंकड़ा एकत्रित नहीं किया गया है। यह कहा जाना भ्रमपूर्ण है, और किसी तरह से भी साबित नहीं हो सका है कि कोईगलत व्यवहार अपराध बने तो लोग उसमें शामिल होने से खुद ही बचने लगेंगे। अपराध की घटना और दंड के बीच कोईसंबंध नहीं है। यहां तक मृत्युदंड भी कोईप्रभावी निवारक उपाय नहीं है। हत्या, रेप, डाका आदि प्रमुख अपराध अनंतकाल से होते रहे हैं, लेकिन उनकी संख्या कम होने में नहीं आ रही बल्कि दिनोंदिन बढ़ने पर है। चूंकि तीन तलाक विवाह के विघटन का सबब नहीं रहा तो इसे उच्चारा जाना बेमानी हो गया है, और किसी भी तरह पत्नी या समाज को विपरीत रूप में प्रभावित नहीं करता। तीन तलाक को दंडनीय अपराध बनाकर मोदी सरकार पुरातनपंथी उलेमा के सुर में ही सुर मिला रही है। उलेमा तर्क रखते रहे हैं कि तीन तलाक वैधहै, लेकिन जो इसे देता है, उसे दंडित किया जा सकता है। हैरत ही तो है कि मोदी सरकार भी राजीव गांधी की सरकार की भांति ही शरीयत को लागू करने पर आमादा है। चूंकि कानूनन पति को गुजारा भत्ता देना होता है, यदि उसे जेल में डाल दिया जाएगा तो गुजारा भत्ता कौन देगा? इतना ही नहीं, जिस महिला की शिकायत पर उसका पति जेल भेज दिया गया हो, उसका पति जेल से बाहर आने के बाद भी उसे वास्तव में तलाक दे देगा। जिसने भी इस बिल का मसौदा तैयार किया है, लगता है उसे फौजदारी कानून या समाजशास्त्र की समझ नहीं है। और यह महत्त्वपूर्ण सवाल भी है कि किस आधार पर तीन साल की सजा का प्रावधान नये कानून में व्यवस्था की जा रही है। सरकार ने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के दंड विधान तक पर गौर क्यों नहीं किया जो देश में सामान्य अपराध कानून है। किन अपराधों के लिए तीन साल की सजा का प्रावधान आईपीसी में है। जिन अपराधों के लिए यह प्रावधान है, वे बेहद गंभीर होते हैं। प्राणघातक हथियार से बलवा करने (धारा 148); लोगों के बीच शत्रुता को बढ़ावा देने (153ए); भारतीय मुद्रा को जाली बनाकर खरीद-फरोख्त करने (धारा 533); जाली सिक्कों का आयात-निर्यात (धारा 237); तथा किसी वर्ग के धार्मिक विास का अपमान करने (धारा 259ए) पर तीन साल की सजा/अर्थदंड या दोनों का प्रावधान है। लेकिन इन बेहद गंभीर किस्म के अपराधों के पासंग भी नहीं है पत्नी को तीन तलाक देने वाले का अपराध जो अमूनन बेहद गुस्से में अंजाम दिया जाता है। अपराध करने वाला समझ ही नहीं पाता कि वह क्या किए दे रहा है। अलबत्ता, गुस्से में किए अपराध के प्रति आईपीसी की धारा 84 के तहत नरमी बरती जाती है। इसलिए तीन तलाक पर तीन साल की सजा का प्रावधान बेहद ज्यादा, मनमानीभरा, अतार्किक और संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन है।अच्छा तो यह हो कि तलाक को तलाक पाने वाले के लिए दुनिया ही खत्म हो जाने जैसा नहीं माना चाहिए। हमारी महिलाओं के लिए गरिमापूर्ण जीवन जीने के लिए पुरु षों पर आश्रित होने की जरूरत नहीं है। विवाह में स्थायित्व आज के समय में बीते समय का विचार रह गया है। यदि वैवाहिक जीवन अच्छे से नहीं चल पा रहा है, तो उसे ढोते रहने में कोई तुक नहीं है। जरूरी नहीं है कि उस संकट में पड़े वैवाहिक जीवन को बचाने में जुट जाया जाए। सबसे अच्छा तो यह है कि तीन तलाक को सिविल लॉ के तौर पर देखा जाए जिसके लिए पत्नी अपने पति से हर्जाना दिलाए जाने का दावा कर सकती है। यदि हम तीन तलाक देने वालों को जेल भेजना ही चाहते हैं, तो यह भी किया जा सकता है, हमारे पास दीवानी कानून के तहत ऐसे प्रावधान हैं, जिनका उपयोग करके हम ऐसा कर सकते हैं। एक परिपक्व वैधानिक पण्राली सिविल लॉ का ज्यादा इस्तेमाल करती है, और कदाचित ही आपराधिक कानून की ओर बढ़ती है।

चलते चलते

कागज,

कागज, कागज नहीं रहता, दस्तावेज बन जाता है। लिफाफे पर सील लग जाए तो उसे छूने से भी डर लगने लगता है। पता नहीं अंदर क्या फरमान हो। लेकिन यही सील किसी दुकान पर लग जाए तो समझो उसे नजर लग गई, फिर चाहे उस पर नींबू-मिर्ची चाहे कितनी ही टंगी हो, वह दो कौड़ी की हो जाती है।

दिल्ली में हल्ला था-स्मॉग आया और आजकल हल्ला है-सीलिंग आई! कागज पर सील लग जाए तो कागज, कागज नहीं रहता, दस्तावेज बन जाता है। लिफाफे पर सील लग जाए तो उसे छूने से भी डर लगने लगता है। पता नहीं अंदर क्या फरमान हो। लेकिन यही सील किसी दुकान पर लग जाए तो समझो उसे नजर लग गई, फिर चाहे उस पर नींबू-मिर्ची चाहे कितनी ही टंगी हो, वह दो कौड़ी की हो जाती है, किसी मकान पर लग जाए तो कोई उधर झांकता भी नहीं और धीरे-धीरे वह भुतहा हो जाता है। यह सील लोगों के भाग्य पर लगती है, पर वैसे नहीं लगती जैसे कागज पर लगती है। कई बार तो यह सीधे पेट पर ही लगती है। सील-सील का फर्क है साहब। रास्ते में पड़ा पत्थर मंदिर में रख दिया जाए तो कहते हैं भगवान हो जाता है, नहीं तो रास्ते का रोड़ा ही रहता है। एक फूल भगवान को चढ़ता है, तो एक फूल प्रेमिका का तोहफा बनता है। यह अलग बात है कि एक जमाना था जब खुदा और महबूब बराबर होते थे। पर तब इसका का इजहार चक्कू दिखाकर नहीं होता था। खैर, फर्क तो होता ही साहब। अब देखिए सलाह दी जाती है दूध, पानी, जूस वगैरह के डिब्बों और बोतलों को देख-जांच लें कहीं सील टूटी हुई तो नहीं है। लेकिन इधर दिल्ली में हालत है कि देख लेना भैया जिस दुकान की तलाश है, उस पर सील तो नहीं लगी। अब दिल्ली भी कमाल है साहब। एक दिल्ली में कई दिल्लियां होती हैं। कहीं केंद्र का राज चलता है, कहीं एम सी डी का। बस एक दिल्ली सरकार ही है जिसका राज कहीं नहीं चलता। अब दिल्ली के भीतर दक्षिण दिल्ली में खाने-पीने की दुकानों पर आफत आई हुई है। उन्हें धड़ाधड़ बंद करके सील लगाई जा रही है। दिल्ली की सरकार, केंद्र पर आरोप लगा रही है कि देखो साहब भाजपा छोटे दुकानदारों को तो खत्म ही कर देने पर आमादा है। भाजपा मुख्यमंत्री को जिम्मेदार ठहरा रही है। एमसीडी कह रही है कि हमारा क्या लेना-देना, जो करवा रहा है, कोर्ट करवा रहा है। पर दुकानदारों को दिख रहा है कि आज दक्षिणी दिल्ली वालों की बारी है, कल को हमारी बारी है। जाइए आप कहां जाएंगे, इस सीलिंग से बचके!

फोटोग्राफी...

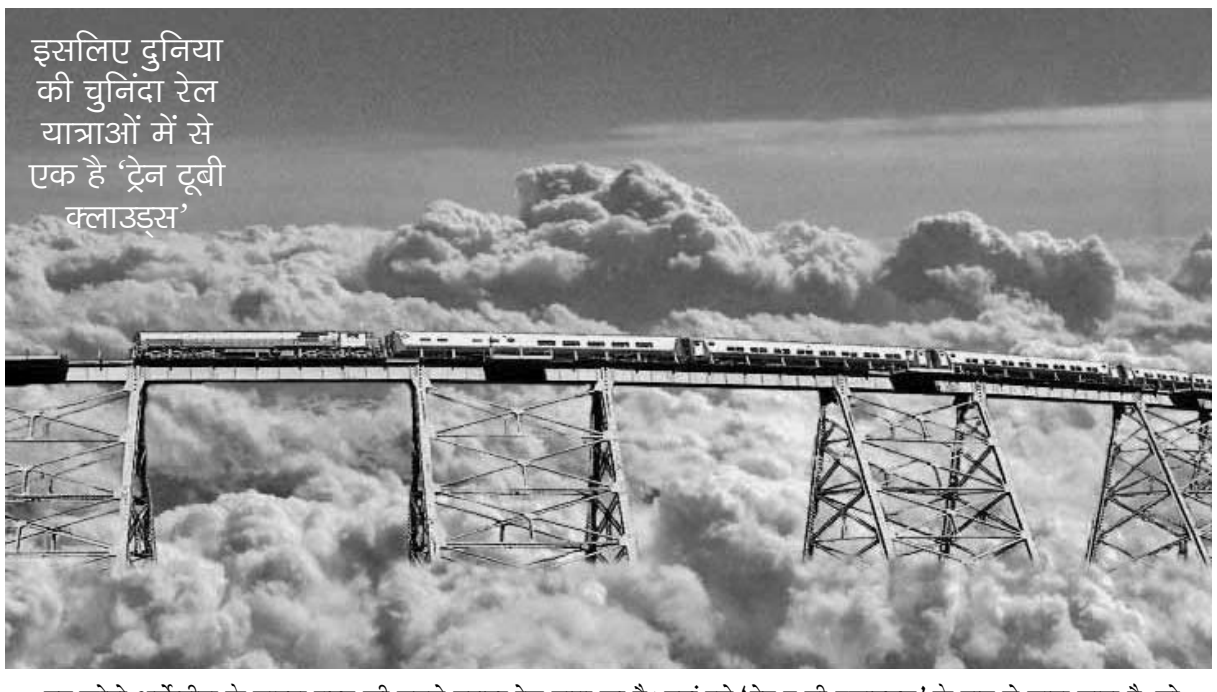

इसलिए दुनिया की चुनिंदा रेल यात्राओं में से एक है 'ट्रेन टूबी क्लाउड्स'

यह फोटो अर्जेन्टीना के साल्टा राज्य की सबसे मशहूर रेल यात्रा का है। यहां इसे 'ट्रेन टू बी क्लाउड्स' के नाम से जाना जाता है, जो पर्यटन रेल सेवा है। पर्वत श्रृंखला ओं से होकर गुजरने वाली इस रेल यात्रा की शुरुआत 1,187 मीटर की ऊंचाई से होती है, जो ला पोल्वो रिल्ला स्टेशन पर पूरी होती है। इस दौरान ट्रेन 15 घंटे की राउंडट्रिप में 29 पुल, 21 सुरंग और 13 वा याडक्ट से होकर 434 किल ोमीटर का सफर तय करती है। बीबीसी समेत कई चैनल इस यात्रा पर डॉक्यू मेंट्री तैयार कर चुके हैं। डी ज़ल इंजन और सात बोगियों वाली इस ट्रेन में एक बार में 500 यात्री सफर करते हैं और ज्यादा तर समय सीटों की बुकिंग फुल होती है। यह फोटो इस रेल यात्रा के अंतिम स्टेशनला पोल्वो रिल्ला का है, जिसे वहीं के नील स्ट्रीट ने क्लिक किया है। बारिश के दिनों और सर्दियों में बादलों की स्थिति के कारण यह दृश्य बनता है। 1948 में शुरू इस रेल यात्रा के स्ट्रक्चर को इंजीनियरिंग का चमत्कार भी कहा जाता है।
welcomeargentina.com

मेट्रो प्रॉजेक्ट

यूपी के नोएडा को दक्षिणी दिल्ली से जोड़ने के मौके पर जब प्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ मजेंटा लाइन का उद्घाटन करने आए तो ऐलान किया कि इसी वित्त वर्ष में आगरा-कानपुर में मेट्रो दौड़ने लगेगी। इससे उपेक्षित क्षेत्रों के विकास को गति मिलेगी, जो पूर्वांचल-बुंदेलखंड एक्सप्रेस के निर्माण से तेजी पकड़ेगा। सवाल है कि जो इलाके विकास को तरस गए हैं, वहां एक मेट्रो क्या इतनी बड़ी तब्दीली ला सकती है कि रातोंरात चमत्कार हो जाए। सामाजिक-आर्थिक विश्लेषक इससे इत्तेफाक रखते हैं कि किसी इलाके की किस्मत चमकानी हो तो वहां रेलें-सड़कें पहुंचा दीजिए। विकास का बाकी काम जनता खुद कर लेगी। पिछले कुछ दशकों में संचार तकनीक की पहुंच भी ऐसी सुविधाओं में जुड़ गई है। पर जिस इलाके में यूपी के सीएम योगी ने मेट्रो के बल पर विकास का सपना दिखाया है, क्या वह आसान होगा। जान लिया जाए कि आज की तारीख में मेट्रो स्थापना का काम बेहद महंगा है। तय यह है कि मेट्रो की एलिवेटिड लाइन (खंभों पर) बनाई जाए तो उसका न्यूनतम औसत खर्च डेढ़ सौ करोड़ रु पये प्रति किमी आता है, जबकि भूमिगत मेट्रो का खर्च दो सौ करोड़ रु पये से भी अधिक। कई जगह तो यह ढाई सौ करोड़ तक पहुंच रहा है। इसके बाद इसका रख-रखाव भी बेहद महंगा होता है। लेकिन इसके बावजूद हर राज्य से मेट्रो की मांग आ रही है। इस वक्त दिल्ली समेत देश के आठ शहरों में मेट्रो प्रॉजेक्ट का काम चल रहा है जबकि सात शहर मेट्रो के लिए अपनी डिटेल्ड प्रॉजेक्ट रिपोर्ट केंद्र सरकार को भेज चुके हैं। इसके अलावा, चंडीगढ़, लुधियाना, कानपुर, वाराणसी समेत आधा दर्जन से ज्यादा शहर मेट्रो लाने में लगे हुए हैं। खुद प्रधानमंत्री ने ऐलान किया है कि देश के 50 शहरों में मेट्रो चलवा देंगे। ऐसी घोषणाओं पर पहले कई बार यह कहकर सवाल उठाया गया है कि जब रोज 27 लाख यात्रियों को ढोने वाली दिल्ली मेट्रो घाटे में है, तब छोटे शहरों में उसका क्या हाल होगा? दिल्ली और मुंबई जितने यात्री बहुत कम शहरों में होंगे। फिर भी राज्य सरकारें मेट्रो पर जोर दे रही हैं, तो इसकी एक वजह वोटों की राजनीति है। दरअसल, मेट्रो को विकास का प्रतीक माना जाने लगा है। हर राज्य को लगता है कि उनके यहां मेट्रो आ जाए तो संदेश जाएगा कि राज्य में विकास हो रहा है। इससे वोटों का गणित सत्ताधारी पार्टी के पक्ष में हो सकता है। लेकिन ये राज्य सरकारें इसकी अर्थव्यवस्था को नहीं समझ पा रही हैं। अहसास नहीं है कि मेट्रो उनके खजाने पर भारी पड़ सकती है। बेशक, यूपी के पूर्वांचल, मध्य प्रदेश से लगते इलाकों यानी बुंदेलखंड में विकास के लिए मेट्रो जैसा तेज और सुविधाजनक पब्लिक ट्रांसपोर्ट चाहिए। समझना होगा कि पूर्वांचल उत्तर प्रदेश और बुंदेलखंड मध्य प्रदेश के सर्वाधिक पिछड़े क्षेत्रों में शुमार हैं। सांस्कृतिक रूप से समृद्ध होने के बावजूद बुनियादी सुविधाओं की कमी, रोजगार के अभाव और शिक्षा के कम स्तर के कारण ये क्षेत्र तेज विकास चाहते हैं पर चाहकर भी यह नहीं हो पा रहा। यह तब है जब बड़े उद्योगों की तुलना में छोटे एवं कुटीर उद्योगों में रोजगार के अवसर अधिक हैं। छोटे और उपेक्षित क्षेत्रों के निवासियों के रहन-सहन का स्तर शहरी जनता के मुकाबले क्षीण होता है। वहां लोग कम में गुजारा करके सुखी रहते हैं, मेट्रो जैसी चमक-दमक दिल्ली जैसे शहरों में ही आकर महसूस करना चाहते हैं। यूपी-एमपी के उपेक्षित क्षेत्रों के विकास के लिए मेट्रो जरूरी नहीं। बेहतर सड़कें, तेज रफ्तार वाली सामान्य रेलें देना ही काफी होगा यानी नीयत साफ होगी, राजनीतिक फायदे-नुकसान से ऊपर उठकर देखा जाएगा तो पूर्वांचल-बुंदेलखंड मेट्रो के बिना उसके सस्ते विकल्पों के सहारे भी तरक्की कर सकते हैं।

भारतीय बैडमिंटन कोच मुल्यो को लेकर अनिश्चितता बनी

नयी दिल्ली। भारतीय बैडमिंटन कोच मुल्यो हंडोयो को लेकर अनिश्चितता बन गयी है क्योंकि भारतीय बैडमिंटन संघ (बाइ) ने इन रिपोर्टों का खंडन किया है कि इस इंडोनेशियाई कोच ने अपना पद छोड़ने का फैसला किया है। मुल्यो के अवकाश पर जाने के बाद रिपोर्ट आयी थी कि इस इंडोनेशियाई का वापस आना मुश्किल है और वह सिंगापुर बैडमिंटन संघ से जुड़ने वाले हैं। बाइ अध्यक्ष हिमंता बिस्वा सरमा इससे वाकिफ नहीं है। सरमा से जब इन रिपोर्टों के बारे में पूछा गया, उन्होंने कहा, ''मुझे इस बारे में पता नहीं है। ''बाइ सचिव अनूप नारंग ने भी रिपोर्टों का खंडन किया। उन्होंने कहा, ''हमारे पास ऐसी कोई जानकारी नहीं है। वह अवकाश पर अपने घर गये हैं लेकिन उन्होंने भारतीय बैडमिंटन को छोड़ने की अपनी इच्छा को लेकर हमसे कोई बात नहीं की है। '' रिपोर्टों के अनुसार मुल्यो इस मसले पर अपने परिवार के साथ चर्चा करने के लिये स्वदेश गये हैं। मुल्यो भारत से मिल रही धनराशि से खुश नहीं हैं और सिंगापुर में पद संभालने पर विचार कर रहे हैं जहां वह 2001 और 2004 के बीच काम कर चुके हैं।

मैं एटीपी खिताब जीतने में सक्षम: युकी भांबरी

नई दिल्ली। कड़े पेशेवर टेनिस सर्किट में आगे बढने के लिए प्रतिभा और आत्मविश्वास का संयोजन जरूरी है। युकी भांबरी में इन दोनों ही चीजों की कोई कमी नहीं है और उन्होंने कहा कि वह एटीपी विश्व टूर खिताब जीतने में सक्षम हैं। युकी ने 2015 में शीर्ष 100 में जगह बनाई, लेकिन इसके बाद उन्हें चोट का खामियाजा भुगतना पड़ा। दिल्ली के इस खिलाड़ी ने 2017 में काफी बड़ी प्रतियोगिताओं में हिस्सा नहीं लिया लेकिन इस 25 वर्षीय ने साल का सकारात्मक अंत करते हुए पुणे चैलेंजर का खिताब जीता और बेंगलुरू ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचा। युकी ने 2017 में अपने कॅरियर की सबसे बड़ी जीत भी दर्ज की जब उन्होंने दुनिया के 22वें नंबर के खिलाड़ी फ्रांस के गेल मोनफिल्स को सिटी ओपन में हराया। एटीपी विश्व टूर में खिताब जीतने के लिए लगातार पांच मैच जीतने होते हैं। आत्मविश्वास से भरे युकी ने कहा कि अधिक से अधिक खेलना और बड़े टूर्नामेंट में खेलना महत्वपूर्ण है। मैं कुछ टूर्नामेंट (एटीपी विश्व टूर पर) के क्वार्टर फाइनल में पहुंचा। आपको (खिताब जीतने के लिए) प्रत्येक मैच पर ध्यान देना होता है, फिर यह एटीपी टूर्नामेंट हो या चैलेंजर या फिर आईटीएफ फ्यूचर्स टूर्नामेंट। अगर आप मेरे से पूछोगे कि मैं एटीपी प्रतियोगिता जीतने में सक्षम हूं तो मैं कहूंगा, हां मैं हूं। वर्ष 2009 में जूनियर ऑस्ट्रेलिया ओपन और प्रतिष्ठित आरेंज बाल जीतने के बाद भारत को युकी से काफी उम्मीदें थी, लेकिन वह शीर्ष स्तर पर निरंतर अच्छा प्रदर्शन करने में नाकाम रहे हैं। नए सत्र की शुरुआत सोमवार को पुणे में टाटा ओपन महाराष्ट्र के साथ होगी और युकी ने कहा कि वह बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयार हैं।

आईपीएल 2018 में इस टीम की ओर से खेल सकते हैं युवराज

नई दिल्ली। भारतीय टीम के सिक्सर किंग युवराज सिंह कभी टीम के हिटर रहा करते थे। लेकिन फिलहाल युवराज अपनी फिटनेस को लेकर टीम से बाहर चल रहे है। युवी कई मैचों में भारत के लिए विजयी पारियां खेली है। युवराज सिंह पिछले आईपीएल सीजन में सनराइजर्य हैदराबाद की तरफ से खेले थे। लेकिन अब खबर है कि युवराज ने सनराइजर्स हैदराबाद टीम छोड़ दी है। युवराज सिंह ने पिछले आईपीएल सीजन में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए 12 मैचों में 252 रन बनाएं थे। पिछले सीजन में युवराज को सनराइजर्स हैदराबाद टीम ने 7 करोड़ में खरीदा था। आईपीएल सीजन 2018 में युवराज को निश्चित रूप से हैदराबाद टीम रिटेन नहीं करेगी। रिपोर्ट के अनुसार युवराज पर इस बार मुंबई इंडियंस की खास नजर है। युवराज सिंह के रिश्ते सचिन तेंदुलकर से काफी अच्छे हैं और कोच पोंटिंग के हटने के बाद युवराज सिंह को सचिन तेंदुलकर टीम में शामिल करा सकते हैं। आईपीएल सीजन 2018 में राजस्थान रॉयल्स भी सिक्सर किंग युवराज को अच्छे दामों पर खरीद सकती है। रॉयल्स टीम को भी अभी इस समय अच्छे फिनिशर की आवश्यकता है। तो इस कारण युवी पर रायल्स टीम भी जमकर पैसों की बरसात कर सकती है।

कोहली अंडर-19 टीम से मिले, पृथ्वी को बताया 'विशेष प्रतिभा'

मुंबई। भारत को अंडर-19 विश्व कप का चैम्पियन बनाने वाले सीनियर टीम के कप्तान विराट कोहली ने अंडर-19 विश्व कप के लिये चुने गये भारतीय टीम के खिलाड़ियों से मुलाकात की। अंडर-19 टीम के कोच राहुल द्रविड़ चाहते थे कि टीम की रवानगी से पहले कोहली, पृथ्वी शॉ की अगुवाई वाली भारतीय टीम के खिलाड़ियों को संबोधित करें। कोहली को किशोरावस्था में विलक्षण प्रतिभा के धनी पृथ्वी शॉ के प्रथम श्रेणी क्रिकेट में प्रदर्शन के बारे में पता है जहां उसने पांच शतक लगाये हैं। उन्होंने कहा,'' मैं पृथ्वी को लेकर काफी उत्सुक हूं। मैंने उसके बारे में काफी सुना है और रवि शास्त्री ने भी मुझे उसके बारे में काफी कुछ बताया है। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में उसने कई बार अच्छा प्रदर्शन किया है, जो कम देखने को मिलता है। उसे ऐसी टीम का कप्तान बनाया गया है जिसमें अंडर-19 वर्ग के खिलाड़ी खेलते हैं, वह विलक्षण प्रतिभा का धनी है, जो हमें दिखेगा। भारतीय सीनियर और अंडर-19 की टीमें यहां से अपने गंतव्य (क्रमशः दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड) के लिये दुबई तक एक ही विमान से उड़ान भरेगी। उन्होंने कहा, '' राहुल भाई (द्रविड़) ने मुझे अंडर-19 टीम के खिलाड़ियों से मिलने और उनसे बात करने के लिये कहा था।

द. अफ्रीका पहुंचने से पहले ही कोहली की सेना ने किया कमाल, कभी नहीं हुआ था ऐसा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पहली बार विराट कोहली की कप्तानी में भारतीय टीम द. अफ्रीका के लिए रवाना हो गई है, लेकिन इस दौरे पर पहुंचने से पहले ही कोहली की सेना ने एक ऐसा कमाल कर दिया है, जो आजतक कोई भी भारतीय टीम नहीं कर पाई थी। द. अफ्रीकी धरती पर लैंड करने से पहले साल 2017 में भारतीय टीम द्वारा किया गया प्रदर्शन तारीफ के काबिल है। इस साल भारतीय टीम ने न तो एक भी टेस्ट सीरीज़ हारी और न ही कोई भी विरोधी टीम इंडिया को द्विपक्षीय सीरीज़ में मात दे सका।

भारतीय टीम ने वर्ष 2017 में क्रिकेट के तीनों प्रारूपों में कुल 53 मैच खेले जिनमें से 37 में उसने जीत दर्ज की जो किसी एक कैलेंडर वर्ष में उसका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। भारत ने 2017 में 11 टेस्ट मैच खेले जिनमें से उसे सात में जीत और एक में हार मिली जबकि तीन मैच ड्रा रहे। इस कैलेंडर वर्ष में उसने जो 29 वनडे मैच खेले उनमें से 21 में वह जीत दर्ज करने में सफल रहा। इस बीच भारतीय टीम को सात मैचों में हार भी मिली जबकि एक मैच का परिणाम नहीं निकला। खेल के सबसे छोटे प्रारूप टी20 में भारत ने 2017 में 13 मैच खेले और नौ में जीत दर्ज की। बाकी चार में उसे हार मिली।

यह जीत के लिहाज से भारत का किसी एक वर्ष में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इससे पहले उसने 2016 में 46 मैचों में से 31 में जीत दर्ज की थी। पिछले साल भारतीय टीम ने रिकार्ड नौ टेस्ट, सात वनडे और रिकार्ड 15 टी20 मैच जीते थे। किसी एक वर्ष में सर्वाधिक वनडे जीतने का भारतीय रिकार्ड 24 है जो उसने 1998 में बनाया था।

अगर एक साल में जीत के भारतीय रिकार्ड को देखा जाए तो उसने 2010 और 2013 में 29-29 मैच जबकि 2007 में 28 मैच जीते थे। भारत ने 1998 में 26 मैच जीते थे जो कि टी20 क्रिकेट में पदार्पण करने से पहले तक उसका किसी एक वर्ष में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था।

किसी एक वर्ष में सर्वाधिक मैच जीतने का विश्व रिकार्ड आस्ट्रेलिया के नाम पर है। उसने 2003 में 47 में से 38 मैचों जीत हासिल की थी। भारत अब इस रिकार्ड की सूची में दूसरे नंबर पर पहुंच गया है। इसके बाद आस्ट्रेलिया (1999 में 35 जीत), पाकिस्तान (2011 में 34 जीत), आस्ट्रेलिया (2007 और 2009 में समान 33 जीत) तथा श्रीलंका (2014 में 33 जीत) का नंबर आता है। अगर तीनों प्रारूपों की अलग अलग बात की जाए तो एक साल में सर्वाधिक टेस्ट मैच जीतने का रिकार्ड संयुक्त रूप से वेस्टइंडीज (1984), इंग्लैंड (2004) और दक्षिण अफ्रीका (2008) के नाम पर है। इन तीनों ने संबंधित वर्षों में

11-11 टेस्ट मैच जीते थे। आस्ट्रेलिया ने 2002, 2004 और 2006 में दस-दस टेस्ट मैच में जीत दर्ज की। भारतीय रिकार्ड नौ टेस्ट मैच जीतने का है जो उसने 2016 में बनाया था।

किसी एक वर्ष में सर्वाधिक एकदिवसीय मैच जीतने का रिकार्ड आस्ट्रेलिया के नाम पर है। उसने 2003 में 30 वनडे जीतकर यह रिकार्ड बनाया था। टी20 में एक साल में सर्वाधिक जीत का रिकार्ड भारत के नाम पर है जिसने 2016 में 15 मैच जीते थे। इस सूची में दूसरे स्थान पर अफगानिस्तान है जिसने पिछले साल ही 11 मैचों में जीत हासिल की थी। आस्ट्रेलिया (2010 में दस जीत) सूची में तीसरे स्थान पर है।

दक्षिण अफ्रीका ने जिम्बाब्वे को दो दिन में पारी के अंतर से हराया

पोर्ट एलिजाबेथ (एजेंसी)।

मोर्ने मोर्कल और केशव महाराज की घातक गेंदबाजी से दक्षिण अफ्रीका ने चार दिवसीय दिन रात्रि टेस्ट क्रिकेट मैच के दूसरे दिन ही जिम्बाब्वे को पारी और 120 रन से करारी शिकस्त दी। दक्षिण अफ्रीका ने कल मैन आफ द मैच एडेन मार्कराम की 125 रन की पारी की मदद से अपनी पहली पारी नौ विकेट पर 309 रन पर समाप्त घोषित की और इसके बाद जिम्बाब्वे को दोनों पारियों में मिलाकर 72-4 ओवरों में समेटकर आसानी से जीत दर्ज की। पिछले 12 वर्षों में यह तीसरा अवसर है जबकि कोई टेस्ट मैच दो दिन तक चला और इन सभी अवसरों पर हारने वाली टीम जिम्बाब्वे की थी।

तेज गेंदबाज मोर्कल ने जिम्बाब्वे की पहली पारी में 21 रन देकर पांच विकेट लिये और उसकी पूरी टीम को 30-1 ओवर में 68 रन पर ढेर करने में अहम भूमिका निभायी। मोर्कल के अलावा कैगिसो रबादा और एंडिल फेलुकवायो ने दो-दो विकेट लिये। जिम्बाब्वे के केवल दो बल्लेबाज काइल जार्विस (23) और रेयान बुरी

(16) ही दोहरे अंक में पहुंचे।

बायें हाथ के स्पिनर महाराज ने दूसरी पारी में कमाल दिखाया और 59 रन देकर पांच विकेट लिये जिससे फालोआन के लिये उतरी जिम्बाब्वे की टीम 42-3 ओवर में 121 रन पर सिमट गयी। महाराज के अलावा फेलुकवायो ने 13 रन देकर तीन विकेट हासिल किये। इस पारी में जिम्बाब्वे के पांच बल्लेबाज दोहरे अंक में पहुंचे जिसमें क्रेग इर्विन ने सर्वाधिक 23 रन बनाये।

रजणी ट्रॉफी फाइनल विदर्भ और दिल्ली के बीच आज से

इंदौर। अपने पहले खिताब से एक जीत दूर छिपे रूस्तम विदर्भ और मैदान से बाहर के विवादों को खेल पर हावी नहीं होने देने वाली दिल्ली की टीमें शुक्रवार से शुरू हो रहे रणजी ट्रॉफी फाइनल में आमने सामने होंगी तो दर्शकों को रोमांचक क्रिकेट की सौगात मिलेगी। देश के प्रीमियर घरेलू टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहली बार पहुंचने वाली विदर्भ की टीम ने कई अप्रत्याशित जीत दर्ज की है। विदर्भ के सुनहरे सफर का अंत अगर होलकर स्टेडियम में हार के साथ होता है तो दिल्ली एक दशक बाद आठवां खिताब जीतेगा। पिछले सत्र में दिल्ली की टीम विवादों से घिरी रही जिनमें कप्तान गौतम गंभीर और कोच केपी भास्कर के बीच विवाद प्रमुख रहा। इसके बावजूद टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन किया और एक या दो खिलाड़ी भविष्य में भारत के लिए खेल सकते हैं। विदर्भ के प्रदर्शन को देखते हुए दिल्ली उसे हलके में लेने की गलती नहीं कर सकती । कप्तान रिषभ पंत ने कहा कि हमारा फोकस अपने प्रदर्शन पर है। हमें पता है कि यह मैच जीतने के लिए बहुत अच्छा प्रदर्शन करना होगा। मध्यम तेज गेंदबाज रजनीश गुरबानी इस सत्र की खोज साबित हुए हैं जिन्होंने कोलकाता में सेमीफाइनल में सितारों से सजे कर्नाटक के बल्लेबाजी क्रम की चूलें हिला दी थी। उनके लिए हालांकि अनुभवी गौतम गंभीर के बल्ले पर अंकुश लगाना कड़ी चुनौती होगा। भारतीय टीम से बाहर सलामी बल्लेबाज गंभीर ने इस सत्र में तीन शतक और दो अर्धशतक लगाए हैं।

विदर्भ: फैज फजल (कप्तान), संजय रामास्वामी, वसीम जाफर, गणेश सतीश, अपूर्व वानखेड़े, विनोद वाडकर, आदित्य सरवटे, अक्षर वखारे, सिद्धेश नेराल, रजनीश गुरबानी, कर्ण शर्मा, शलभ श्रीवास्तव, सिद्धेश वाठ, अक्षर कर्णवार, सुनिकेत बिंगेवार, रविकुमार ठाकुर, आदित्य ठकारे।

दिल्ली: रिषभ पंत (कप्तान), गौतम गंभीर, कुणाल चंदेला, ध्रुव शोरे, नीतिश राणा, हिम्मत सिंह, मनन शर्मा, विकास मिश्रा, विकास टोकस, नवदीप सैनी, कुलवंज खेजरोलिया, आकाश सूदन, शिवम शर्मा, उन्मुक्त चंद, मिलिंद कुमार।

शिखर धवन हुए चोटिल, दक्षिण अफ्रीका के लिए गौतम गंभीर को मिल सकता है मौका

नई दिल्ली (एजेंसी)।

सलामी बल्लेबाज शिखर धवन का टखने की चोट के कारण दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 5 जनवरी से शुरू होने वाले पहले टेस्ट मैच में खेलना संदिग्ध है. भारतीय टीम की रवानगी से पहले धवन को लंगड़ाते हुए टीम होटल में प्रवेश करते हुए देखा गया. उनके बायें टखने में पट्टियां बंधी थी. उनके साथ फिजियो पैट्रिक फरहार्ट भी थे और उनका एमआरआई स्कैन कराया गया. बीसीसीआई के एक सीनियर अधिकारी ने कहा, ''शिखर धवन के टखने की चोट की जांच की गयी. फिजियो ने राष्ट्रीय चयनकर्ताओं को अभी तक कोई रिपोर्ट नहीं दी है. अगर शिखर धवन

पहले टेस्ट के लिए फिट नहीं हो पाते हैं तो संभव है कि केएल राहुल मुरली विजय के साथ मिलकर पारी की शुरुआत करें. लेकिन शिखर के रिप्लेसमेंट के लिए मैनेजमेंट भारत से बल्लेबाज बुला सकता है. मीडिया में चल रही अपुष्ट खबरों की मानें तो ऐसे में माना जा रहा है कि गौतम गंभीर और अभिनव मुकुंद के बीच मामला टाइ हो सकता है. अगर हम सिलेक्शन पैनल को देखें तो श्रीलंका दौरे में 82 रनों की पारी खेलने वाले तमिलनाडु के बल्लेबाज अभिनव मुकुंद पहली च्वाइस होंगे. लेकिन गौतम गंभीर का भी दावा कमजोर नहीं है. रणजी के सीजन में उनका बल्ला कमाल का चला है. उन्होंने तीन शतक लगाए हैं. इसकी बदौलत ही दिल्ली की टीम फाइनल तक पहुंची है. हालांकि टीम में मौजूद पार्थिव पटेल भी टीम के लिए ओपन कर सकते हैं, लेकिन दक्षिण अफ्रीकी दौरे पर एकदम से पार्थिव पटेल को नहीं आजमाया जा सकता. ऐसे में अगर भारत से बल्लेबाज बुलाया जाता है तो गंभीर के लिए ये एक अच्छा मौका हो सकता है.

कीरोन पोलार्ड 'निजी कारणों' से टी20 मैचों से हटे

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड दौरे पर वेस्टइंडीज को बड़ा झटका लगा जब शीर्ष आलराउंडर कीरोन पोलार्ड 'निजी कारणों' से टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों से हट गए।टीम अधिकारियों ने पोलार्ड के बाहर होने की पुष्टि की। इससे पहले चोटिल होने के कारण रोन्सफोर्ड बीटन को भी टी20 श्रृंखला से बाहर होना पड़ा था। वेस्टइंडीज की टीम न्यूजीलैंड दौरे पर कोई जीत दर्ज नहीं कर पाई है। टीम ने दोनों टेस्ट चार दिन के भीतर गंवाए जबकि तीन एकदिवसीय मैचों की श्रृंखला भी मेजबान टीम ने आसानी से 3-0 से जीत ली। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने बयान में कहा, ''बायें हाथ के बल्लेबाज शिमरोन हेटमायेर कीरोन पोलार्ड की जगह लेंगे जो निजी कारणों से अनुपलब्ध हैं।'' उन्होंने कहा, ''बायें हाथ के तेज गेंदबाज शेल्डन कोटरेल तेज गेंदबाज रोन्सफोर्ड बीटन की जगह लेंगे जिन्हें मांसपेशियों में खिंचाव के कारण स्वदेश लौटना पड़ रहा है।

क्रुणाल की शादी में पहुंचे सचिन, अंबानी और अमिताभ

मुंबई (एजेंसी)।

कप्तान विराट कोहली के बाद मुंबई इंडियंस के आलराउंडर क्रुणाल पांड्या दूसरे ऐसे भारतीय क्रिकेटर हैं जो हाल के समय में शादी के बंधन में बंधे हैं। अब इस नए नाम से कहलाई जायेगी, अनुष्का और विराट की जोड़ी क्रुणाल अपनी प्रेमिका पंखुड़ी शर्मा के साथ बुधवार को यहां जेडब्लू मैरियट होटल में परिणय सूत्र में बंधे जहां मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर, अंबानी परिवार और सदी के महानायक अमिताभ बच्चन भी पहुंचे। कई बड़ी हस्तियों के पहुंचने के अलावा भारतीय टीम के धुरंधर आलराउंडर और क्रुणाल के भाई हार्दिक पांड्या तथा कई अन्य क्रिकेटरों ने भी शादी समारोह में शिरकत की। क्रुणाल और हार्दिक दोनों भाई इंडियन प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस टीम की ओर से खेलते हैं और अंबानी परिवार इस टीम के मालिक हैं। हार्दिक ने अंबानी परिवार का स्वागत किया। क्रुणाल इस साल मुंबई की खिताबी जीत में मैन आफ द मैच रहे थे। वह रणजी में बड़ौदा के लिए खेलते हैं। मुंबई इंडियंस के कप्तान और भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा भी शादी समारोह में पहुंचे।

अगले डेढ़ साल तय करेंगे भारतीय टीम की दशा-दिशा: शास्त्री

मुंबई (एजेंसी)।

घरेलू सरजमीं पर पिछले दो वर्षों में दबदबे वाला प्रदर्शन करने के भारतीय खिलाड़ियों को 2018 में विदेशी परिस्थितियों की चुनौती का सामना करना होगा और मुख्य कोच रवि शास्त्री का कहना है कि अगले 18 महीने इस भारतीय क्रिकेट टीम की दशा और दिशा तय करेंगे। शास्त्री ने कहा कि टीम इस बात से अच्छी तरह वाकिफ है कि दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के आगामी दौरों में उसे किस तरह की चुनौती का सामना करना है।

मुख्य कोच ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों से टीम में बहुत अधिक बदलाव नहीं हुए हैं और इससे खिलाडियों को आगे की चुनौतियों का सामना करने में मदद मिलेगी।

शास्त्री ने टीम की दक्षिण अफ्रीका रवानगी से पहले कहा कि सच्चाई यह है कि पिछले चार पांच वर्षों से साथ में हैं और यह तय है कि यह अनुभव उनके काफी काम आएगा। परिस्थितियां चुनौतीपूर्ण होंगी, लेकिन जैसे मैंने पहले कहा था कि अगला डेढ़ साल इस भारतीय क्रिकेट टीम की दशा और दिशा तय करेगा और पूरी टीम इससे अच्छी तरह वाकिफ है।

उन्होंने कहा कि हमें आगे दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड में मैच खेलने हैं और मैं अभी यही कह सकता हूं कि 18 महीने के बाद यह बेहतर क्रिकेट टीम होगी। भारत ने हाल में समाप्त हुई श्रृंखला में श्रीलंका को हराया। इससे पहले उसने घरेलू सरजमीं पर ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और बांग्लादेश को पराजित किया। विदेशी दौरों के दौरान भारतीय बल्लेबाजों की तेज और उछाल लेती पिचों पर खेलने की क्षमता चर्चा का विषय रहता है और शास्त्री ने कहा कि भारतीय तेज गेंदबाजों के पास भी अच्छा मौका है। उन्होंने कहा कि अगर यह हमारे बल्लेबाजों के लिए मुश्किल होने जा रहा है तो हमारा काम उनके बल्लेबाजों को भी मुश्किल में डालना है। मुख्य कोच ने इसके साथ ही खिलाडियों से चुनौती का सामना करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि यह चुनौतीपूर्ण होगा। हम सभी जानते हैं कि दक्षिण अफ्रीका का दौरान कितना कठिन होता है, लेकिन इस पेशे का यह सुंदर पक्ष है। चुनौती का डटकर सामना करने के लिए हम तैयार है।

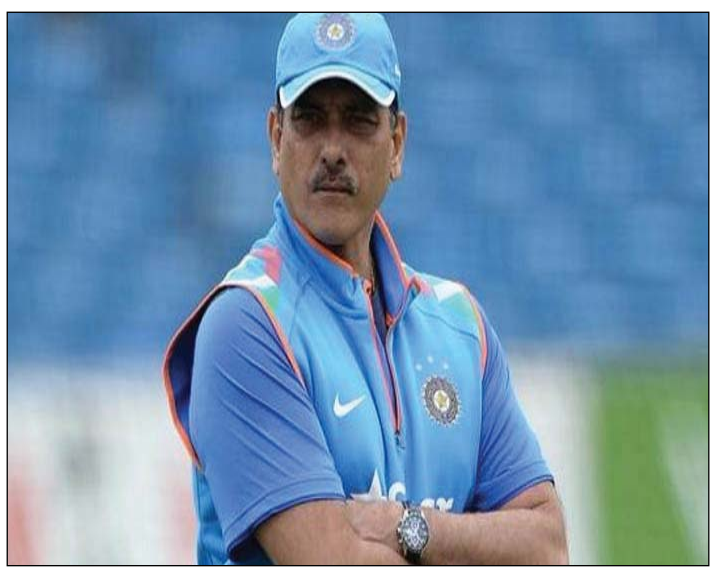

वृद्धा की मौत की गुत्थी सुलझी, दामाद गिरफ्तार

अहमदाबाद (ईएमएस)। शहर के घाटलोडिया क्षेत्र में पिछले महीने हुई वृद्धा की हत्या की गुत्थी सुलझाते हुए पुलिस ने मृतका के दामाद को गिरफ्तार कर लिया। रुपए देने से इंकार करने पर दामाद ने अपनी सास की हत्या कर दी थी। अहमदाबाद के घाटलोडिया क्षेत्र के कर्मचारीनगर निवासी 80 वर्षीय रंभाबेन नामक वृद्धा की पिछले महीने हत्या कर दी गई थी। हत्या के इस मामले में पुलिस को पहले से ही किसी करीबी के संलिप्त होने की आशंका थी। जेसीपी जेके भट्ट के मुताबिक रंभाबेन जिन मकान में रहती थीं, उसकी कीमत करीब दो करोड़ रुपए थी। इसके अलावा उनके पास आभूषण और गांव में जमीन भी थी। रंभाबेन की मौत के बाद उनकी पूरी संपत्ति छह पुत्रियों के बीच समान हिस्से में बांटी जानी थी। लेकिन रंभाबेन की तीसरी पुत्री ऊषा के पति रमेश पटेल को पिछले तीन साल के दौरान रेत और मेडिकल स्टोर के व्यवसाय में करीब रु. 40 लाख का नुकसान हुआ था। जिससे रमेश पटेल आए दिन अपनी सास रंभाबेन से रुपए मांगा करता था। परंतु रंभाबेन ने रमेश पटेल को रुपए देने से यह कहते हुए इंकार कर दिया कि उनकी अन्य पुत्रियां नाराज हो जाएंगी। रुपए नहीं मिलने पर रमेश पटेल ने मुंबई स्थित अपने दोस्त इसियाक से इस बारे में बातचीत की और कहा कि यदि रंभाबेन की मौत हो जाती है तो उनकी संपत्ति का सभी बहनों का बराबर का हिस्सा मिल जाएगा। रमेश पटेल की बात सुनने के बाद इसियाक ने रंभाबेन की हत्या की सुपारी लेकर योजना बनाई। जिसके मुताबिक वह कुरियर बोय बनकर रंभाबेन के घर पहुंचा और उनकी हत्या कर फरार हो गया।

नाबालिग से छेड़छाड़ के विरोध में पादरा पूरी तरह से बंद

वडोदरा (ईएमएस)। जिले के वडु गांव में नाबालिग से छेड़छाड़ के मुद्दे पर हुई मारपीट संबंधी शिकायत में पुलिस की ओर से विलंब किए जाने से नाराज स्थानीय लोगों ने थाने के बाहर काफी हंगामा किया और बंद का ऐलान किया था। बंद पूरी तरह से सफल रहा, बाजार में पूरे दिन सन्नाटा पसरा रहा। प्राप्त जानकारी के मुताबिक वडोदरा जिले की पादरा तहसील के वडु गांव में बुधवार को नाबालिग स्कूल बस से उतरकर अपने घर की ओर जा रही । उस वक्त गांव के तीन युवकों ने किशोरी से छेड़छाड़ का प्रयास किया। किशोरी के परिजन जब युवकों को समझाने उनके घर पहुंचे तब वहां तू तू मैं मैं और बाद में मारपीट शुरू हो गई। इस घटना के बाद ग्रामवासियों में आक्रोश भड़क उठा और पुलिस थाने पहुंच गए। जहां पुलिस से रपट दर्ज कर तीनों युवकों को फौरन गिरफ्तार करने की मांग की। लेकिन काफी समय तक कोई कार्रवाई नहीं करने पर ग्रामवासियों ने पुलिस थाने में काफी हंगामा किया। हालात तंग होने पर पुलिस के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और वडोदरा जिला एसओजी, एलसीबी समेत पुलिस काफिला वडु गांव पहुंच गया। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष ग्रामवासियों ने आरोप लगाया कि किशोरी के साथ छेड़छाड़ के मामले को स्थानीय पुलिस ने गंभीरता से नहीं लिया। इस घटना के विरोध में ग्रामवासियों ने गुरुवार को बंद का ऐलान किया था। जिसके चलते आज सभी बाजार पूरी तरह से बंद रहे। पूरे बाजार में सन्नाटा पसरा रहा। ग्रामवासियों के आक्रोश को देखते हुए हरकत में आई पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार कर पादरा पुलिस थाने भेज दिया है।

चाइनीज तुक्कल उड़ाने पर प्रतिबंध

अहमदाबाद (ईएमएस)। पिछले कई वर्षों से राज्य में चाइनीज तुक्कल (स्काय लेन्टर्न) उड़ाने की जैसे एक परंपरा बन गई है। जिसकी वजह से बड़ी दुर्घटना और जानहानि की घटनाएं बढ़ी हैं। ऐसी घटनाओं को रोकने के उद्देश्य से पुलिस आयुक्त एके सिंह ने शहर में चाइनीज तुक्कल उड़ाने पर संपूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। अहमदाबाद पुलिस आयुक्त ने फौजदारी कार्यरीति अधिनियम 1973 के तहत शहर में चाइनीज तुक्कल उड़ाने पर प्रतिबंध लगा दिया है।

15 जनवरी तक वाहनों में एचएसआरपी लगाना अनिवार्य

गांधीनगर (ईएमएस)। राज्य के सभी वाहनों में 15 जनवरी 2018 तक हाई सिक्युरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट (एचएसआरपी) लगाना अनिवार्य है। 16 जनवरी से अनअधिकृत नंबर प्लेटवाले वाहन चालकों से रु. 500 तक जुर्माना वसूल किया जाएगा। राज्य के परिवहन आयुक्त के मुताबिक सभी वाहनों में एचएसआरपी नंबर प्लेट लगाना सुप्रीम कोर्ट का आदेश है। सुप्रीम कोर्ट ने 23 नवंबर को गुजरात समेत अन्य 5 राज्यों को नोटिस दी है और आदेश का अमल करने की दिशा में की गई कार्यवाही के बारे में रिपोर्ट मांगी है। राज्य सरकार ने सभी पुलिस आयुक्त और पुलिस अधीक्षकों को इसका कड़ाई से अमल करने का आदेश दिया है। परिवहन आयुक्त के मुताबिक दुपहिया और तिपहिया वाहनों में रु. 89 और चार पहिये तथा भारी वाहनों में रु. 150 का अतिरिक्त सर्विस चार्ज का भुगतान कर अधिकृत एचएसआरपी नंबर प्लेट लगवाई जा सकती है। एचएसआरपी नंबर प्लेट फीट कराने के लिए वाहन डीलर के यहां भी व्यवस्था की गई है। आरटीओ के अलावा निकट के किसी भी वाहन डीलर के वहां राज्य सरकार द्वारा अधिकृत सर्विस चार्ज से एचएसआरपी नंबर प्लेट फीट करवाई जा सकती है। सभी वाहन चालकों को 15 जनवरी 2018 तक अधिकृत एचएसआरपी नंबर प्लेट लगवाना अनिवार्य है। अन्यथा अनधिकृत नंबर प्लेट वाले वाहन चालकों से जुर्माना वसूला जाएगा। गौरतलब है नए वाहनों में 16 नवंबर 2012 से एचएसआरपी नंबर प्लेट लगाना अनिवार्य है और उसका कड़ाई से अमल भी किया जा रहा है। लेकिन उसके पहले के पुराने समेत कई वाहन अब भी एचएसआरपी नंबर प्लेट के बगैर सड़कों पर दौड़ रहे हैं, जो कानून के खिलाफ है।

विभागों के बंटवारे को लेकर कैबिनेट की बैठक में विलंब

अहमदाबाद (ईएमएस)। नई सरकार के मंत्रियों के विभागों के बंटवारे को लेकर असमंजस की स्थित बनी हुई है। आज शाम पांच बजे कैबिनेट की पहली बैठक होनी तय थी, जिसमें विभागों का बंटवारा होना था। लेकिन कुछ विभागों को लेकर अब तक दुविधा की स्थिति बनी हुई है। पांच से ज्यादा ऐसे विभाग हैं, जिन्हें किसे सौंपा जाय इस पर सहमति नहीं बन पाई है। कैबिनेट की बैठक से पहले मुख्यमंत्री विजय रूपाणी और उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल के बीच बैठक हुई थी, जिसमें विभागों के बंटवारे को लेकर चर्चा भी हुई थी। राजस्व, वित्त, सड़क व निर्माण, गृह, स्वास्थ्य और परिवहन विभाग सौंपे जाने को लेकर असमंजस बना हुआ है। हांलाकि विभागों के आवंटन से पहले मंत्रियों को उनका चैम्बर और गाड़ी आवंटित कर दी गई है।

दो महिलाओं के गले से चेन की छिनैती

संवाददाता,

सूरत। वराछा के मारुति चौक भवानी खमणी के पास खरीदी करने के लिए निकली महिला के गले से बाइक पर सवार होकर आए दो युवकों ने 60 हजार की चेन झपटकर फरार हो गए। घटना के बारे में वराछा पुलिस रिपोर्ट दर्ज करके जांच कर रही है। जबकि कापोद्रा पुलिस अंतर्गत नाना वराछा रावल फलिया नाके पर नाना वराछा कोपोद्रा की रहने वाली महिला के गले से भी बाइक पर आए युवकों ने 40 हजार की चेन तोड़कर फरार हो गए।

पुलिस सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार नीलकंठ सोसाइटी मारुति चौक लंबे हनुमान रोड वराछा की रहने वाली पूजा मनोजभाई चौधरी गत रोज शाम के समय अपनी बहन के साथ खरीदी करने के लिए पैदल ही मारुति चौक भवानी खमणी के पास से जा रही थी। उसी समय बाइक पर सवार होकर रांग साइटड से आए दो युवकों ने पूजाबेन के गले से पैंडल सहित सोने की चेन (कीमत-60,000 रुपए) झपट कर फरार हो गए। पूजाबेन ने घटना के संदर्भ में वराछा पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई हैं। पुलिस मामले को दर्ज करके जांच कर रही है।

दूसरी घटना में नाना वराछा कापोद्रा मकान नं. 9, आनंदनगर सोसाइटी लुहार फलिया की रहने वाली हेमलताबेन जगजीवन पटेल नौकरी से छूटने के बाद अपने घर की ओर जा रही थी। उसी समय नाना वराछा रावल फलिया नाका के पास बजाज मोटरसाइकिल पर आए युवक ने युटर्न मारकर हेमलता के गले से 40,000 रुपए की सोने की चेन झपट कर फरार हो गया। घटना के संदर्भ में कापोद्रा पुलिस रिपोर्ट दर्ज करके जांच कर रही है।

माता के साथ अवैध संबंध के शक में

दो युवकों ने रिक्शा चालक की आंख फोड़ दिया

संवाददाता,

सूरत। भेस्तान में रहने वाला एक रिक्शा चालक खटोदरा कालोनी में रहने वाली महिला के घर जाकर बैठा। उसी दौरान वहां दो युवक आए और उसकी आंख में किसी तेज हथियार से प्रहार करने के बाद मोटरसाइकलि पर बैठाकर दूर फेंक दिए। जहां से 108 के द्वारा उसको इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया।

सिविल अस्पताल से प्राप्त जानकारी के अनुसार भेस्तान आवास के आकाश पृथ्वी अपार्टमेंट में निवासी गौतमी मूलती बाबू (45 वर्ष)अपनी चार बेटी और एक बेटे के साथ रहकर रिक शा चलाते हैं। गौतमी मूलती गत रोज सुबह खटोदरा कालोनी में दारू पीने गए थे। उसी समय 12 बजे के करीब वहां दो युवक आए और माता के साथ अफेयर का शक करके झगड़ा किए। झगड़ा इतना उग्र हो गया कि दोनों युवकों ने रोष में आकर गौतमी की आंखों को फोड़ दिया। इसके बाद बाइक पर लेजाकर दूर फेंक दिया। वहां से 108 के द्वारा रिक्शा चालक को इलाज के लिए सिविल अस्पताल में भर्ती किया गया है।

ग्रे कपड़ा उधार में लेकर 7.29 लाख की ठगी

संवाददाता,

सूरत। पांडेसरा के एक व्यापारी से उधार में ग्रे कपड़ी की खरीदी करके उसके रुपए 7. 29 लाख न देकर ठगी कर दुकान बंद करके फरार हो जाने का मामला पांडेसरा पुलिस में दर्ज कराया गया है। पुलिस सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार अमीजरा सोसाइटी बमरोली रोड पांडेसरा में रहने वाले नीशीथभाई पटेल कपड़े के धंधे से जुड़े हैं। बमरोली सीएनजी पंप के सामने चामुंडा इंडस्ट्रीयल में इनका कारखाना है। इनके पास से प्रमोद अग्रवाल, भरत जरीवाला और धनलक्ष्मी के प्रपराइटर राजू चंद्रवदन टेलर (02/1709 झुंडा शेरी, उमियानगर, सगरामपुरा) तथा सुरेश वंशराज जैन राजरतन क्रिएशन के प्रोपराइटर ने मिलीभगत करके विश्वास कायम करने के बाद नीसीथ के पास से 7,39,079 रुपए का ग्रे कपड़ा खरीदे थे। जिसका वसूली करने पर वे सभी कोई न कोई बहाना बताते रहे। इसके कुछ दिन बाद ही आरोपी दुकान को बंद करके लापता हो गए। घटना के संदर्भ में पांडेसरी पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। पुलिस ठगी का मामला दर्ज करके जांच कर रही है।

बाइर फिसलने से युवक की मौत

सूरत। लिंबायत गोडादरा में तेज गति से जा रहे युवक की बाइक फिसलने के कारण गंभीर चोट लगने से युवक को इलाज के लिए अस्पताल में बर्ती किया गया था। जहां पर उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार लिंबायत के सांईधाम सोसाइटी मकान नं. 261 में रहने वाले बिहारी लाल पटेल के पुत्र मूरतसिंह पटेल (26 वर्ष) पांच दिन पहले बाइक से जा रहे थे। उसी दौरान गोडादरा सनराइज स्कूल के सामने उनकी बाइक फिसल गई और वे गंभीर रूप से घायल हो गए थे। जिनको इलाज के सिए स्मीमेर अस्पताल में भर्ती किया गया था। जहां पर गत रोज मूरतसिंह की इलाज के दौरान मौत हो गई।

टैपा के चपेट में आने युवक की मौत

सूरत। उद्योग नगर भीमनगर आवास के पास महेन्द्रा शोरुम के नजदीक एक टैपा चालक ने लापरवाही पुर्वक युवक को चपेट में ले लेने से उसकी स्थल पर ही मौत हो गई। पुलिस सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार उधना रोड नं. 6 वीडलिोन वीनुभाई के कारखाना में काम करने वाले गुड्डु बिन्द गत रोज महेन्द्रा शोरुम के पास से जा रहे थे। उसी समय एक अज्ञात टैम्पा चालक ने लापरवाही से गाड़ी चलाते हुए गुड्डु को टक्कर मारकर अस्थल से फरार हो गया। गंभीर रूप से घायल्ए गुड्डु को इलाज के लिए अस्पताल में ले जाया गया। जहां पर चिकित्सकों ने गुड्डु को मृत घोषित कर दिया। उधना पुलिस घटना के संदर्भ में अज्ञात टैम्पा चालक के खिलाफ मामला दर्ज करके जांच कर रही है।

6.90 लाख का जॉब वर्क करवाकर ठगी

संवाददाता

सूरत। शहर के रिंग रोड श्रीओम मार्केट में जॉब वर्क का धंधा करने वाले से काम करवाकर उसके एवज में 6.90 लाख रुपए की ठगी व विश्वासघात करने वाले दो व्यापारी के खिलाफ सलाबतपुरा पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। पुलिस मामला दर्ज करके जांच कर रही है।

सलाबतपुरा पुलिस सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार अमरोली के कोसाड रोड महावीरधाम हाइट्स में रहने वाले दयानंद केदारमल शर्मा जॉब वर्क का धंधा करते हैं। रिंग रोड श्रीओम मार्केट के व्यापारी धर्मेन्द्रसिंह प्रातापसिंह राजपूत तथा अन्य एक उनका परिचित अजय कुमार राजपूत ने दयानंद भाई के पास से जॉबवर्क कराया त विश्वास बनाने के लिए पहले उसका पेमेंट कर दिया। इसके बाद दोनों आरोपियों ने करीब 6.90 लाख का जॉब वर्क कराया। जिसके बदले में चेक दिया था। लेकिन चेक बैंक से रिटर्न हो गया। घटना के बारे में दयानंदभाई ने दोनों ठग व्यापारियों के खिलाफ सलाबतपुरा पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराया है। पुलिस ठगी का मामला दर्ज करके जांच कर रही है।

अश्लील वीडियो से ब्लैकमेल मामले में मुख्य आरोपी अरेस्ट

संवाददाता

सूरत। कांग्रेसी कॉर्पोरेटर और उत्तर विधानसभा से कांग्रेस के उम्मीदवार दिनेश काछडिया का अश्लील वीडियो बनाकर चुनाव से पहले ब्लैकमेल करने के मामले में मुख्य आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोप है कि इन लोगों ने काछड़िया को चुनाव से पहले 3 करोड़ रुपए और बीट कॉइन की मांग की थी। डिमांड पूरी नहीं होने पर वीडियो को वायरल करने की धमकी दी थी। जब काछडिया ने पैसे व कॉइन नहीं दिए तो इन्होंने वीडियो वायरल कर दिया था। एक आरोपी को गिरफ्तार के बाद जमानत मिल चुकी - काछडिया से ब्लैकमेलरों ने उनका अश्लील वीडियो बना कर सितंबर महीने से अलग-अलग लोग अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी देकर तीन करोड़ रुपए की मांग कर रहे थे। एक व्यक्ति ने तो बीट कॉइन की भी मांग की। इसी दौरान उन्हें टिकट भी मिल गया। - आरोपियों ने मतदान के दो दिन पहले डिमांड पूरी नहीं होने पर उनका अश्लील वीडियो जारी कर दिया।

एमपी लिलियावाला स्कूल का वार्षिकोत्सव सम्पन्न

कबड्डी प्रतियोगिता में कक्षा हिंदी माध्यम के बच्चों ने मारी बाजी

संवाददाता सूरत। एमपी लिलियावाला स्कूल लिम्बायत में वार्षिकोत्सव मनाया गया। स्कूल में माध्यमिक व उच्च माध्यमिक कक्षाओं के हिंदी, अंग्रेजी व गुजरात माध्यम के बच्चों ने जमकर प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के दौरान कबड्डी, खो-खो, दौड़, स्लो साइकिल रेस, नीबू चम्मच सहित कई अन्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। माध्यमिक व उच्च माध्यमिक कक्षा की बालक व बालिका वर्ग की 8 टीमें खो-खो प्रतियोगिता में प्रतिभाग की। जबकि कबड्डी प्रतियोगिता में बालक व बालिका वर्ग में हिंदी माध्यम की टीम अपने बहुमुखी खेल का प्रदर्शन करते हुए अंग्रेजी माध्यम की टीम को पराजित किया। स्कूल के प्रधानाचार्य ने बताया कि विजेता टीम व दौड़ स्पर्धा में विजेता प्रतिभागियों को शनिवार को आयोजित क्रिकेट व वॉलीबाल प्रतियोगिता के समापन के बाद पुरस्कृत किया जाएगा।

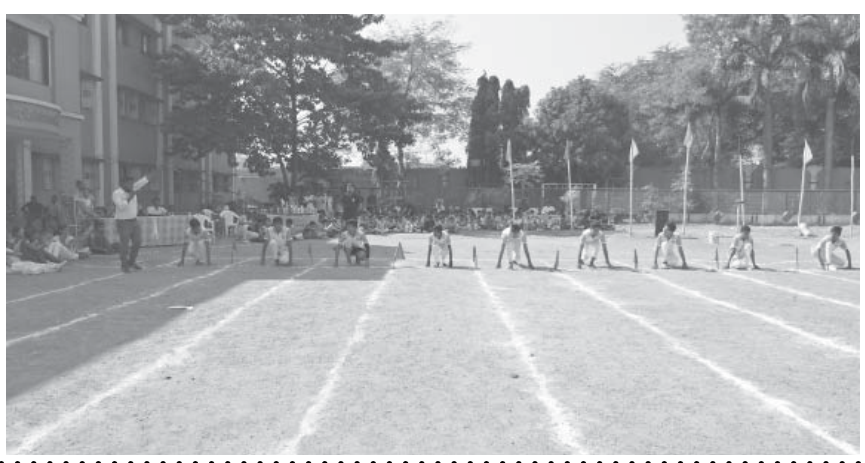

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा तासीलोक पब्लिकेशन 152,153 श्री राम इंडस्ट्रीयल एरिया पांडेसरा सूरत 394210 से मुद्रत, एवं 4 ओ-ब्लाक आगम नवकार कॉम्पलेक्ष सचीन रेल्वे स्टेश के पास, सूरत, जि. सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **Tc.No. : GUJHIN00722**, E-mail: krantisamay@gmail.com